Springboard ACADEMY

AN INSTITUTE FOR IAS & RAS

RAS PRELIMS

2024 - 2025

भारत का आधुनिक इतिहास

प्रारम्भिक परीक्षा

Narendra sir

A-1 Keshav Vihar, Riddhi-Siddhi Chouraha, Gopalpura Bypass,
Jaipur- 302018 Mob.: 0141-3555948, 9636977490, 8955577492

Springboard ACADEMY

पाठ्यक्रम

☑आधुनिक काल (प्रारंभिक 19वीं शताब्दी से 1964 ई. तक।)

- ✪आधुनिक भारत का विकास एवं राष्ट्रवाद का उदय : बौद्धिक जागरण, प्रेस, पश्चिमी शिक्षा।
- ✪19वीं शताब्दी के दौरान सामाजिक – धार्मिक सुधार : विभिन्न नेता एवं संस्थाएँ।
- ✪स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन – विभिन्न अवस्थाएँ, धाराएँ, महत्वपूर्ण योगदानकर्ता एवं देश के अलग–अलग हिस्सों का योगदान।
- ✪ स्वातंत्र्योत्तर राष्ट्र निर्माण – राज्यों का भाषायी पुनर्गठन, नेहरू युग में सांस्थानिक निर्माण, विज्ञान एवं तकनीकी का विकास।

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	बंगाल के गवर्नर जनरल	1-4
2.	भारत के गवर्नर जनरल	5-8
3.	भारत के वायसराय	9-15
4.	1857 ई. की क्रांति	16-18
5.	सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन	19-27
6.	राष्ट्रीय आन्दोलन	28-49
7.	क्रांतिकारी आन्दोलन	50-54
8.	साम्यवादी आन्दोलन	55-57
9.	प्रमुख समाचार पत्र	58
10.	किसान आन्दोलन	59-62
11.	जनजातीय आन्दोलन	63
12.	नेहरू युग में सांस्थानिक निर्माण	64-66

Springboard ACADEMY

आधुनिक भारत का इतिहास

बंगाल के गवर्नर जनरल

1. **वॉरेन हेस्टिंग्स (1772–85 ई.)**
   - ❖ यह बंगाल का गवर्नर बनकर आया था लेकिन रेग्यूलेटिंग एक्ट 1773 ई. के प्रावधानों के अनुसार उसे बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल बना दिया।

☑ **भू–राजस्व सुधार :–**

- ❖ 1765 में लगाया **द्वैध शासन** (लॉर्ड क्लाइव द्वारा) को 1772 ई. में समाप्त कर दिया तथा कम्पनी ने सारी शक्तियाँ अपने हाथ में ले ली।
- ❖ 5 वर्षीय ठेका प्रणाली (Contract System) शुरू की गई। नये जमींदारों को ठेके दिये गये थे।

☑ **न्यायिक सुधार**

- ❖ जिला स्तर पर दीवानी तथा फौजदारी न्यायालय स्थापित किये गये।
- ❖ 1744 ई. में कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई। (1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट के अनुसार)
- ❖ कलकत्ता सुप्रीम कोर्ट –एलिजा इम्पे (मुख्य न्यायाधीश)
- ❖ फतवा–ए–आलमगीर का अंग्रेजी अनुवाद किया गया।
- ❖ Code of Gentoo lows (हिन्दी कानूनो का संकलन)
- ❖ विलियम जोन्स तथा कोलब्रुक ने Digest of Hindu laws नामक पुस्तक लिखी।
- ❖ 1784 ई. में विलियम जोन्स ने कलकत्ता में Asiatic Society of Bengal की स्थापना की।
- ❖ इस संस्था का कार्य भारतीय पुस्तकों का यूरोपीय भाषा में अनुवाद करना था।
- ❖ **चार्ल्स विल्किन्स** ने गीता का अंग्रेजी अनुवाद किया।
- ❖ विलियम जोन्स ने मनुस्मृति का अंग्रेजी में अनुवाद करवाया।
- ❖ एक बंगाली ब्राह्मण महाराज नंदलाल ने वॉरिन हेस्टिंग पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। कालांतर में वॉरेन हेस्टिंग ने जालसाजी के आरोप में फंसाकर नंदलाल को फाँसी दिलवा दी।
- ❖ एडमंड बर्क ने वॉरेन हेस्टिंग एवं एलिजा इम्पे के खिलाफ महाभियोग चलाया था।
- ❖ वॉरेन को भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।

2. लॉर्ड कॉर्नवालिस (1785–93 ई.)

☑ **भू राजस्व सुधार :–**

- 1790 ई. में 10 वर्षीय ठेका प्रणाली शुरू की गई। इसमें पुराने जमींदारों को ठेके दिये गये। 1793 ई. में इसे स्थायी कर दिया गया इसलिए इस व्यवस्था को स्थायी बन्दोबस्त कहा जाता है।
- इसका प्रारूप (Draft) जॉन शोर ने तैयार किया था इसलिए इसे जॉन शोर व्यवस्था भी कहा जाता है। इस व्यवस्था में जमींदारों को भूमि का मालिक माना जाता है। इसलिए इसे जमींदारी व्यवस्था भी कहा जाता था।
- इसमें 10/11 भाग कंपनी को दिया जाता है। तथा 1/11 भाग जमींदार को दिया जाता था।
- यह व्यवस्था ब्रिटिश भारत के 19 प्रतिशत क्षेत्रों पर लागू होती थी।

☑ **न्यायिक सुधार :–**

- 1793 ई. में कॉर्नवालिस ने कॉर्नवालिस कोड तैयार करवाया।
- कॉर्नवालिस ने भारत में वकालात का पेशा आरंभ किया था।
- कॉर्नवालिस ने आधुनिक भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं भारतीय पुलिस सेवा शुरू की थी। इसलिए इसे प्रशासनिक सेवा तथा पुलिस सेवा का जनक माना जाता है।

3. जॉन शोर (1793–98 ई.)

4. लॉर्ड वेलेजली (1798–1805 ई.)

- भारत में सहायक सन्धि प्रणाली को बड़े तौर पर लागू किया।
- वेलेजली ने कलकता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की। यह कॉलेज गैर–सैनिक अधिकारियों के लिए था।

☑ **सहायक सन्धि –**

- जिस रियासत के साथ सहायक सन्धि की जाती थी उसकी रक्षा का भार अंग्रेज अपने पास ले लेते थे। इसके बदले में बड़ी रियासत अंग्रेजों को भूमि तथा छोटी रियासते नकदी देती थी। उस रियासत को अपने विदेशी मामले अंग्रेजों को देने पड़ते थे।
- रियासत में कम्पनी का प्रतिनिधि रहता था, जिसे रेजीडेन्ट कहा जाता था।

सहायक सन्धि करने वाली रियासतें –

(1) हैदराबाद	1799 ई.
(2) मैसूर	1800 ई.
(3) तंजौर	1800 ई.
(4) अवध	1801 ई.
(5) पेशवा	1802 ई. (बसीन की सन्धि)

5. कॉर्नवालिस (1805 ई.)

- एकमात्र गवर्नर जनरल जिनकी 2 बार नियुक्ति हुई थी।
- 1805 ई. में गाजीपुर में कॉर्नवालिस की मृत्यु हो गई।
- ईस्ट इंडिया कंपनी ने गाजीपुर 1820 ई. में 'Opium and Alkaloid Factory' की स्थापना की। यह विश्व की सबसे प्राचीनतम अफीम की फैक्ट्री है।
  (द्वितीय फैक्ट्री – अफीम एण्ड क्षार कारखना, नीमच)

6. जॉज बॉरलो (1805–07 ई.)

- **1806 ई.वैल्लोर विद्रोह (मद्रास)**
- **कारण:** अंग्रेजों द्वारा धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग बन्द कर दिया था।
- अंग्रेजों ने भारतीय सैनिकों के लिए एक यूनिफॉर्म निर्धारित की तथा इसके तहत पगड़ी को बदल दिया।

7. लार्ड मिन्टो (1807–13 ई.)

- 1809 ई. अमृतसर की सन्धि।

8. लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813–23 ई.)

- बिना बराबरी के स्तर पर मुगल बादशाह से मिलने से मना कर दिया।
- इस समय दक्षिण भारत में रेय्यतवाड़ी उत्तर भारत में महालवाड़ी नामक भू–राजस्व व्यवस्था शुरू की गई।
- इसी के शासनकाल में प्रथम आंग्ल–नेपाल युद्ध (1814–1816 ई.) हुआ था। जो सुगोली/संगोली के द्वारा समाप्त हुआ।
- लॉर्ड हेस्टिंग ने पिण्डारियों का उन्मूलन किया।
- पिण्डारियों का मुख्य नेता – चीतू, वासिल मोहम्मद, करीम खान, अमीन खान पिण्डारी।

☑ **रैय्यतवाड़ी व्यवस्था:**

- रैय्यत = किसान
- 1792 ई. में **"कैप्टन रीड"** ने **बारामहल** से इस व्यवस्था की शुरूआत की थी।
- कालान्तर में मद्रास में मुनरो तथा बॉम्बे में एलफिन्सटन ने इस बड़े तौर पर लागू किया।
- ठसमें किसाने को भूमि का मालिक माना गया।
- यह व्यवस्था भारत के 51 प्रतिशत क्षेत्र पर लागू होती थी।

☑ **महालवाड़ी व्यवस्था–** (महाल–गाँव या गाँव का समूह)

- यह व्यवस्था 1822 ई. में हॉल्ट मैकेन्जी द्वारा शुरू की गई। कालान्तर में मार्टिन बर्ड ने इसे बड़े तौर पर लागू किया था।
- मार्टिन बर्ड को उत्तर भारत में भूमि सुधारों का जनक कहा जाता है।

- उत्तर–पश्चिम प्रान्त में इसे जैम्स थॉमसन ने लागू किया था।
- यह ब्रिटिश भारत के 30 प्रतिशत क्षेत्र पर लागू होती थी।
- यह पंजाब, संयुक्त प्रान्त तथा उत्तर–पश्चिम प्रान्त में लागू की गई थी।
- इस व्यवस्था में पूरे गाँव का भू–राजस्व एक साथ निश्चित कर दिया जाता था।
- यहाँ पर ग्राम सभा को भूमि का मालिक बनाया गया।

9. जॉन एडम्स (1823 ई.)

- इसने प्रेस पर प्रतिबन्ध लगा दिया था।
- राजाराममोहनराय के **'मिरातुल अखबार' (भाषा – फारसी)** को बन्द कर दिया था।

10. लॉर्ड एमहर्स्ट (1823–1828 ई.)–

- यह पहला गवर्नर जनरल था जो मुगल बादशाह से बराबरी के स्तर पर मिला।
- इसके शासनकाल में प्रथम आंग्ल–बर्मा युद्ध (1824–1826 ई.) हुआ था। जो यान्दबू की संधि के द्वारा समाप्त हुआ।

भारत के गवर्नर जनरल

- **1833 के चार्टर एक्ट** द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया।
- **'विलियम बैंटिक'** भारत का प्रथम गवर्नर जनरल था।
- **गवर्नर का क्रमः** (भारत के गवर्नर जनरल)

(1) विलियम बैंटिक	1828–35 ई.
(2) चार्ल्स मेटकॉफ	1835–36 ई.
(3) लॉर्ड ऑकलैण्ड	1836–42 ई.
(4) लॉर्ड एलनबरो	1842–44 ई.
(5) लॉर्ड हार्डिंग–प्रथम	1844–48 ई.
(6) लॉर्ड डलहौजी	1848–56 ई.

(1) विलियम बैन्टिक (1828–35 ई.)

- यह लंदन के Whig Group का सदस्य था।
- भारत में बंगाल के गवर्नर जनरल के रूप में आया था लेकिन 1833 ई. के चार्टर एक्ट के द्वारा उसे भारत का गवर्नर जनरल बना दिया।
- 1829 ई. में **धारा–17** के तहत **सती प्रथा** पर रोक लगा दी यह रोक राजाराम मोहन राय के प्रयासों से लगी थी।
- **राधाकान्त देव** ने इस प्रतिबन्ध का विरोध किया था। इसके संगठन का नाम **धर्म सभा** था।
- विलियम बैन्टिक ने **ठग प्रथा** का उन्मूलन किया था **''कर्नल सलीमैन''** के नेतृत्व में इसका उन्मूलन किया था।
- इसने कॉर्नवालिस द्वारा स्थापित भ्रमणशील अदालतों को बंद कर दिया।
- न्यायालय में स्थानीय भाषाओं व अंग्रेजी भाषाओं का प्रयोग आरंभ कर दिया। (फारसी के स्थान पर)
- 1835 ई. में कलकत्ता में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की। यह भारत का प्रथम मेडिकल कॉलेज था।

☑ आंग्ल–प्राच्य विवाद

- 1813 ई. के चार्टर एक्ट के द्वारा भारत में शिक्षा के विकास के लिए 1 लाख रु. दिये गये।
- 1833 ई. के चार्टर एक्ट में इसे बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष कर दिया गया।
- बैंटिक ने मैकाले को लोक शिक्षा समिति का अध्यक्ष बनाया।
- 2 फरवरी, 1835 ई. को मैकाले स्मरण पत्र जारी किया गया मैकाले ने अपना प्रसिद्ध **विप्रवेशन/निस्यंदन सिद्धान्त** दिया।

- इसके तहत भारतीय उच्च वर्ग को अंग्रेजी माध्यम में पाश्चात्य शिक्षा दी जायेगी। उच्च वर्ग से यह शिक्षा टपक–टपक कर/छन–छन कर जनसाधारण तक पहुँच जायेगी।
- 7 मार्च 1835 ई. को इस सिद्धान्त को सरकार ने स्वीकार कर लिया।
- कालान्तर में गर्वनर जनरल लॉर्ड ऑकलैण्ड द्वारा इसे लागू किया गया

समिति के अंग्रेजी समर्थक	**प्राच्य समर्थन**
बैंटिक	जेम्स प्रिसंपे
मैकाले	थॉमस प्रिंसेप
मुनरो	विल्सन
एलफिन्सटन	
ट्रेवेलियन	
राजा राम मोहनराय	

- 1835 ई. में अंग्रेजी को भारत की प्रशासनिक भाषा बना दिया गया।
- बैंटिक प्रेस पर प्रतिबन्ध के खिलाफ था।
- बैंटिक ने **1831** ई. **में मैसूर, 1834** ई. **में कुर्ग तथा कछार** को अंग्रेजी रियासत में मिला लिया गया था। (कुशासन के आधार पर।)
- मैकाले **विधि सदस्य** के रूप में भारत आया था। (1833 ई.के चार्टर एक्ट के अनुसार) भारत में ''कानूनों का संहिताकरण'' किया।

(2) चार्ल्स मैटकॉफः (1835–36 ई.)

- चार्ल्स मैटकॉफ को समाचार पत्रों का मुक्तिदाता कहा जाता है।
- इसने 1818 ई. में राजस्थानों की रियासतों के साथ सन्धि करने के लिए अंग्रेजों की तरफ से प्रतिनिधि था।

(3) लॉर्ड ऑकलैण्डः (1836–42 ई.)

☑ **प्रथम आंग्ल–अफगान युद्धः (1839–42 ई.)**

कारणः अफगानिस्तान का राजा दोस्त मोहम्मद रूस से दोस्ती कर रहा था।

(4) लॉर्ड एलनबरोः (1842–44 ई.)

- 1843 ई. में सिन्ध का विलय किया गया। यह विलय नेपियर के नेतृत्व में हुआ था।
- 1843 ई. में **दास प्रथा** (धारा–5) पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था।

(5) लॉर्ड हॉर्डिग प्रथम (1844–48 ई.)

- प्रथम आंग्ल सिख युद्ध (1845–46 ई.)

(6) लॉड डलहौजी (1848–56 ई.)

- डलहौजी आधुनिक भारत के मानचित्र का निर्माता था।
- डलहौजी ने भारतीय रियासतों का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय किया था।

☑ **युद्ध द्वारा किये गये विलय :–**

(1) पंजाब	1849 ई.
(2) सिक्किम	1850 ई.
(3) लॉअर वर्मा व पीगू	1852 ई.

✪ हड़प नीति को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया –

प्रथम श्रेणी – इसमें वे रियासतें जो अंग्रेजों के समय स्वतंत्र थी।

द्वितीय श्रेणी – वे रियासतें जो अंग्रेजों के साथ मराठों या मुगलों के अधीन थी।

तृतीय श्रेणी – अंग्रेजों के द्वारा पुर्नस्थापित की गई रियासतें।

हड़प नीति द्वारा विलय :–

1848 ई. –	सतारा
1849 ई. –	जैतपुर/संभलपुर
1850 ई.–	बघाट
1852 ई.–	उदेपुर (मध्यप्रदेश)
1853 ई.–	झाँसी
1854 ई.–	नागपुर
1855 ई.–	करौली

- **कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स** के कहने पर करौली वापस दे दिया गया था।
- 1856 ई. में कुशासन का आरोप लगाकर डलहौजी ने अवध का विलय कर लिया था यह विलय **आउट्रम की रिपोर्ट** के आधार पर किया गया था।
- अवध की ईमारतें – केसरबाग, बड़ा इमाम वाड़ा, छोटा इमाम वाड़ा।
- 1851 ई. में डलहौजी ने अवध के बारे में कहा था–

"एक दिन यह चेरी (ग्लासफल) हमारे मुँह में आकर गिरेगी।"

- अवध के राजा वाजिद अली शाह को कलकत्ता भेज दिया जाता था।
- वाजिद अली साहब को ठुमरी कत्थक का जनक माना जाता है।
- 1853 ई.में बकाया धन के बदले हैदराबाद से बरार छीन लिया।
- 1853 ई. में पेशवा बाजीराव– द्वितीय के पुत्र नानासाहब की पेंशन बन्द कर दी।
- 1853 ई. में कर्नाटक के नवाब की पेंशन बन्द कर दी थी।
- तंजौर के राजा की उपाधि छीन ली थी (1855 ई. में)
- मुगल बादशाह की उपाधि छीनने का प्रयास किया था तथा लालकिला खाली करने के आदेश दिये थे।

☑ **डलहौजी के सुधार :–**

- 1852 ई. में भारत में तार सेवा शुरू की थी। तार विभाग का प्रमुख **ओ शेधने सी**
- 1853 ई. में भारत में रेल सेवा शुरू की। पहली रेल इंजन फेयरी क्विन बॉम्बे से थाने के बीच चलाई गई थी।
- 1854 ई. में डाक सेवा शुरू की थी। (डाक टिकट 2 पैसे का होता था)
- डलहौजी ने सैनिकों के लिए भी डाक टिकट अनिवार्य कर दिया था।
- 1854 ई. में इसके द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) बनाया गया।
- 1854 ई. में उत्तर प्रदेश में गंग नहर का निर्माण करवाया गया।
- 1854 ई. में शिक्षा में सुधार किये थे।
- ये सुधार चार्ल्स वुड के नेतृत्व में किये थे इसलिए इन्हें **वुड डिस्पैच (शिक्षा का मैग्नाकार्टा)** कहा जाता है। चार्ल्स वुड बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल का अध्यक्ष था।

☑ **सैनिक सुधारः**

- सैनिक मुख्यालय कलकत्ता से शिमला लाया गया।
- तोपखाना कलकत्ता से मेरठ लेकर आया।
- सिखों एवं गोरखों की संख्या सेना में बढ़ा दी थी।
- सेना में यूरोपीयन्स की संख्या भी बढ़ाई गई।

Springboard ACADEMY

भारत के वायसराय

- 1858 ई. के भारत परिषद् अधिनियम के अनुसार गवर्नर जनरल को वायसराय भी बना दिया गया।
- लॉर्ड कैनिंग भारत का प्रथम वायसराय था।

1. लॉर्ड कैनिंग (1856–62 ई.)
2. लॉर्ड एल्गिन–प्रथम (1862–63 ई.)
3. जॉन लॉरेन्स (1863–69 ई.)
4. लॉर्ड मेयो (1869–72 ई.)
5. लॉर्ड नॉर्थब्रुक (1872–76 ई.)
6. लॉर्ड लिटन (1876–80 ई.)
7. लॉर्ड रिपन (1880–84 ई.)
8. लॉर्ड डफरिन (1884–88 ई.)
9. लॉर्ड लेन्सडाउन (1888–94 ई.)
10. लॉर्ड एल्गिन– द्वितीय (1894–99 ई.)
11. लॉर्ड कर्जन (1899–1905 ई.)

☑ लॉर्ड कैनिंग (1856–62 ई.)

- 1856 ई. में विधवा पुर्नविवाह अधिनियम पारित हुआ (धारा–15) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयासों से यह कानून बनाया गया था।
- 1857 ई. की क्रान्ति के समय गवर्नर जनरल था।
- 1857 ई. में कलकत्ता, बॉम्बे व मद्रास में विश्वविद्यालय बनाये गये। (लंदन विश्वविद्यालय की तर्ज पर)
- 1861 ई. में इण्डियन हाइकोर्ट एक्ट पारित हुआ तथा कालान्तर में कालान्तर, बॉम्बे, मद्रास में हाइकोर्ट की स्थापना की गई।
  - C.P.C - Civil Procedure Code – नया नाम – भारतीय साक्ष्य अधिनियम
  - Cr.P.C. - Criminal Procedure Code नया नाम- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता।
  - I.P.C – Indin Penal Code नया नाम– भारतीय दण्ड संहिता।
  - नये नामों का परिवर्तन 1 जुलाई,2024 से हुआ।

- 1860 ई. में जेम्स विल्सन के नेतृत्व में आर्थिक सुधार किये।
    - पहली बार बजट पेश किया।
    - पहली बार आयकर लगाया गया
    - (500 रु. से अधिक आय पर 1ः कर लगाया जाता था)

☑ लॉर्ड एल्गिन– प्रथम (1862–63 ई.)

- वहाबी आन्दोलन का दमन किया था।

☑ जॉन लॉरेन्स (1863–69 ई.)

- केम्पबेल की अध्यक्षता में अकाल आयोग बनाया गया था।
- भारत से ब्रिटेन के बीच समुद्री टेलीग्राम (तार) सेवा शुरू की।
- अफगानिस्तान के प्रति उसने कुशल अकर्मण्यता की नीति अपनाई
- इस शब्द का प्रयोग J.W.S वाईली ने किया था।

☑ लॉर्ड मेयो (1869–72 ई.)

- 1872 ई. में प्रयोगिक जनगणना करवाई गई।
- इसने इंडियन एविडेंस एक्ट पारित किया। इसका वर्तमान में नाम बदलकर भारतीय साक्ष्य अधिनियम कर दिया है।
- वित्तीय विकेन्द्रीकरण की शुरूआत की थी।
- इसने जेलों में सुधार किए थे।
- सेलुलर जेल का निरीक्षण करते समय शेर खाँ अफरीदी ने लॉर्ड मेयो की हत्या कर दी थी।

☑ लॉर्ड नॉर्थब्रुक (1872–76 ई.)

- लॉर्ड मेयो की याद में अजमेर में 1875 ई. में मेयो कॉलेज की स्थापना की थी।
- कूका आन्दोलन का दमन किया था।

☑ लॉर्ड रिटन (1876–80 ई.)

- ओवेन मेरेडिथ नाम से साहित्य लिखता था।
- 1877 ई. में दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया। तथा महारानी विक्टोरिया को **केसर–ए–हिन्द** की उपाधि दी थी।(शाही उपाधियाँ अधिनियम 1876 ई. के द्वारा।)
- रिचर्ड स्ट्रेची के नेतृत्व में अकाल आयोग की स्थापना की गई।

☑ वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878 ई.)–

- देशी/स्थानीय भाषा के समाचार पत्र सरकार के खिलाफ लिखने पर जब्त कर लिये जायेंगे।
- इसे गैगिंग एक्ट (मुँह बन्द रखना) (Gagging Act) भी कहा जाता है।

समाचार पत्र	**सम्पादक**
सोमप्रकाश	ईश्वर चन्द्र विद्यासागर
ढाका प्रकाश	(बड़ी कार्यवाही सोमप्रकाश पर ही हुई थी)
भारत मिहिर	
सहचर	

- अमृत बाजार पत्रिका–मोतीलाल घोष का समाचार पत्र था इस कानून से बचने के लिए बांग्ला से अंग्रेजी में भाषा बदल ली थी।

☑ **भारतीय शस्त्र अधिनियम–(1878 ई.)**

हथियार के लिए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया गया। (यह केवल भारतीयों के लिए ही था)

☑ **वैधानिक जनपद सेवा (1879 ई.)**

- लिटन ICS में भारतीयों का प्रवेश रोकना चाहता था। इसलिए उसने नई सेवा शुरू की। इनका पद तथा वेतन ICS से कम होता था।
- इनकी संख्या ICS की 1/6 होती थी।
- इनकी नियुक्ति प्रान्तीय सरकारों की सिफारिशों पर की जाती थी।
- थोड़े दिनों बाद इस व्यवस्था को ब्रिटेन से बंद कर दिया गया।
- ICS की अधिकतम आयु 19 वर्ष कर दी गई।
- ICS :- 1833 के चार्टर एक्ट में योग्यता को प्रशासन का आधार बनाया गया।
- 1853 के चार्टर एक्टर में ICS के लिए लिखित परीक्षा का प्रावधान किया गया।
- 1854 में इसके लिए मैकाल समिति बनाई गई।
- सत्येन्द्र नाथ टैगोर प्रथम भारतीय ICS थे।
- 1886 में लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई।
- 1919 के भारत शासन अधिनियम में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई।
- 1935 के भारत शासन अधिनियम में संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई। जो बाद में UPSC बन गया।

☑ लॉर्ड रिपन (1880–84 ई.) (अच्छा रिपन)

- यह अच्छी प्रवृत्ति का व्यक्ति था।
- 1881 ई. में प्रथम नियमित जनगणना कराई।
- 1881 ई. में प्रथम कारखाना अधिनियम
- कम से कम 100 मजदूरों वाले कारखानों पर लागू होता था।
- 7 वर्ष तक के बच्चे कारखानों में काम नहीं कर सकते।
- 7 से 12 वर्ष तक के बच्चे केवल 9 घण्टे काम करेंगे।
- 1881 ई.में रिपन ने मैसूर वापस लौटा दिया था।

- 1881 ई. में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट रद्द कर दिया था।
- 1882 ई. में भारत में स्थानीय स्वशासन की शुरूआत की गई।
  (नगरपालिका, नगरबोर्ड आदि बनाये गये)
- 1882 ई. में भारत में शिक्षा सुधार किये गये। इसके लिए **हन्टर आयोग** बनाया गया था।
- प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा में सुधार किये जायेंगे।

☑ **इल्बर्ट बिल विवादः (1883 ई.)**

- कोई भी भारतीय न्यायाधीश फौजदारी मामले में अंग्रेज मुजरिम को नहीं सुन सकता था। इस भेदभाव को दूर करने के लिए इल्बर्ट बिल लाया गया जिसका अंग्रेजों ने विरोध किया था।
- इस विरोध को दूसरा श्वेत विद्रोह कहा जाता है। बाद में ऐसे मामले में (Jury Bench) का प्रावधान किया गया जिसमें 12 जज होते थे तथा इसमें आधे से अधिक अंग्रेज होते थे।
- इसमें P.C. इल्बर्ट विधि सदस्य (Legal Member) था।

☑ **प्रथम श्वेत विद्रोह :–**

- क्लाइव के समय बंगाल में दोहरे भत्ते बन्द के कारण हुआ था।
- मिस्त्र में भारतीय सेना भेजने के सवाल पर रिपन ने इस्तीफा दे दिया था।
- फ्लोरेंस नाइटिगेल ने रिपन को भारतीयों का उद्धारक कहा था।
  - नर्सिंग डे इन्हीं को याद में मनाया जाता है
  - इसे A Lady with a Lamp भी कहा जाता है।

☑ **लॉर्ड डफरिन (1884–88 ई.)**

- 28 दिसम्बर 1885 ई. को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई थी।
- डफरिन ने बर्मा अभियान किया। यह अंग्रेजों का भारत में अंतिम बड़ा साम्राज्यवादी अभियान था।

☑ **लॉर्ड लेन्सडाउन (1988–94 ई.)**

- भारत–अफगानिस्तान के बीच डुरण्ड लाइन खिंची गई थी।
- 1891 ई.–दूसरा कारखाना अधिनियम

☑ **लॉर्ड एल्गिन– द्वितीय (1894–1899 ई.)**

- जेम्स लॉयल की अध्यक्षता में अकाल आयोग बनाया गया।
  कथनः भारत को तलवार के दम पर जीता गया है तथा तलवार के दम पर ही रखा जायेगा।

☑ **लॉर्ड कर्जन (1899–1905 ई.)**

- ➢ यह अन्य गवर्नर जनरल व वायसराय की तुलना में सबसे ज्यादा अनुभवी व्यक्ति था।
- ➢ तिलक ने कहा था **"कैसा दुर्भाग्य है अकाल, प्लेग, और कर्जन तीनों भारत एक साथ आये।"**
- ➢ गोपाल कृष्ण गोखले ने कर्जन की तुलना औरंगजेब से की।
    - ▪ एंटनी मैक्डॉनल्ड – अकाल आयोग (इसी समय प्रसिद्ध छप्पनियाँ अकाल–1899 ई. पड़ा था।)
    - ▪ सिंचाई आयोग – स्कॉट मानक्रिफ (नकद फसलों में कमी की जाए।, सिंचाई पर अगले 20 वर्षों में 4.5 करोड़ खर्च किए जाए।)
    - ▪ पुलिस आयोग – एड्रंयू फ्रेजर (वेतन में वृद्धि तथा पुलिस में पदों की संख्या बढ़ाई जाए।)
    - ▪ विश्वविद्यालय आयोग – टॉमस रेले

☑ **विश्वविद्यालय आयोग –**

- विश्वविद्यालय शिक्षा पर चर्चा के लिए **शिमला सम्मेलन** बुलाया गया।
- 1902 ई. में टॉमस रेले की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय आयोग बनाया गया।
- इस आयोग में 2 भारतीय सदस्य थे।
- गुरुदास बनर्जी
- सैय्यद हुसैन बिलग्रामी
- इस आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1904 ई. में विश्वविद्यालय अधिनियम पारित किया गया।

➢ **रॉबर्टसन** के नेतृत्व में भारत में **रेलवे सुधार** किये थे। सबसे अधिक रेलवे का विकास कर्जन के समय में हुआ था।

☑ **कलकत्ता नगर निगम अधिनियम : (1899 ई.)**

- कर्जन ने नगर निगम में सरकारी सदस्यों की संख्या बढ़ा दी।

☑ **भारतीय टंकण एवं पत्र मुद्रा अधिनियम : (1899 ई.)**

- पौण्ड को भारत में वैध किया गया तथा 1 पाउण्ड = 15 रु. होगा।
- रु को स्वर्ण प्रमाप पर रखा गया था।
- 1861 ई. में भारत सरकार ने पहली बार 10 रुपये का कागज का नोट जारी किया था।

☑ **सहकारी समिति अधिनियम (1904 ई.)**

- किसानों को सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध करवाने के लिए

☑ **प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम (1904 ई.)**

- 1904 ई. में पुरातत्व विभाग की स्थापना की गई।

Springboard ACADEMY

☑ विदेश नीति –

- तिब्बत में रूस का प्रभाव बढ़ रहा था अतः 1930 ई. में यंग हसबेण्ड के नेतृत्व में एक सेना भेजी गई। इससे दलाई लामा (तिब्बत का धार्मिक व राजनीतिक गुरु) तिब्बत छोड़ कर भाग गया था।
- तिब्बत पर 75 लाख रु. का जुर्माना लगा गया।
- चुम्बी घाटी पर 75 वर्षों तक अधिका कर लिया (अंग्रेजों द्वारा) 1908 ई. में पुनः समझौता किया गया तथा जुर्माना 25 लाख कर दिया गया तथा चुम्बी घाटी वापस दे दिया गया।
- कर्जन ने 1903 ई. में **दिल्ली दरबार** का आयोजन किया।
- कर्जन ने राजा–महाराजाओं के विदेश यात्रा पर रोक लगा दी।

➢ 1901 ई. में कर्जन ने इम्पेरियल केडेट कोर्प्स की स्थापना की। जिसका वर्तमान में नाम NCC (National Cadet Corps) है।

बंगाल विभाजन (1905 ई.)

पूर्वी बंगाल	**पश्चिम बंगाल**
↓	↓
बांग्लादेश + असम	प. बंगाल + बिहार + उड़ीसा
राजधानी – ढाका	राजधानी– कलकत्ता
1.90 करोड– मुस्लिम	4.50 करोड़–गैर बांग्ला भाषी
1.20 करोड़–हिन्दू	90 लाख–बांग्ला भाषी
↓	↓
धार्मिक अल्पसंख्यक	भाषायी अल्पसंख्यक

➢ कर्जन ने विभाजन का कारण प्रशासनिक अव्यवस्था बताया लेकिन उसका वास्तविक उद्देश्य बंगाली हिन्दुओं में बढ़ती राष्ट्रवादी भावनाओं को कुचलना था।

☑ कर्जन के सैनिक सुधार :–

- सेनापति किचनर ने सैनिकों के लिए किचनर टेस्ट शुरू किया गया।
- क्वेटा (पाक) में सैनिक अधिकारियों के मिलिट्री प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।
- सैनिक सदस्य की नियुक्ति पर कर्जन तथा किचनर में विवाद हो गया तथा कर्जन ने इस्तीफा दे दिया।

☑ लॉर्ड मिन्टो द्वितीय –(1905 – 1910 ई.)

- सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा को 1909 ई. में वॉयसराय की कार्यकारिणी में नियुक्त किया गया। (प्रथम भारतीय बंगाल के एडवोकेट जनरल।)

☑ लॉर्ड होर्डिग – (1910 – 1916 ई.)

- इसके समय दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया।

☑ लॉर्ड लिनलिथगो – (1936 – 1944 ई.)

- भारतीय सेना का आधुनिकीकरण का श्रेय इनकी समिति चेटफील्ड को जाता है।
- गवर्नर जनरल के रूप में सबसे लंबा कार्यकाल।

1857 ई. की क्रान्ति

- बैरकपुर में **34वीं इनफेन्ट्री** के सैनिक **मंगल पाण्डे** ने 29 मार्च को चर्बी वाले कारतूसों के खिलाफ विद्रोह कर दिया।
- मंगल पांडे ने अंग्रेज अधिकारी हयूसन व बाघ पर आक्रमण कर दिया।
- 8 अप्रैल को उसे फांसी दे दी गई।
- 24 अप्रैल को मेरठ छावनी के 90 सैनिकों ने विद्रोह कर दिया।
- 10 मई को मेरठ छावनी में क्रान्ति की शुरूआत होती है।
- 20वीं Native infantry तथा 3 L.C. ने विद्रोह किया था।
    - (Native infantry) (Light cavalary)
- विद्रोही सैनिक दिल्ली चले गये तथा 11 मई को बहादुर शाह जफर को अपना नेता बनाया।
- 25 अगस्त को बहादुरशाह के नाम से (सभी को क्रान्ति के प्रेरित करने के लिए) **आजमगढ़ घोषणा** की गई।

केन्द्र	**नेतृत्वकारी**	**अंग्रेज अधिकारी**
(1) दिल्ली	1. बहादुर शाह जफर 2. बख्त खान	1. निकलसन 2. हड़सन निकलसन लड़ता हुआ मारा गया तथा बहादुर शाह को हुमायूँ के मकबरे से गिरफ्तार किया गया।
(2) लखनऊ	1. बेगम हजरत महल और (महक परी) 2. बिरजिस कादिर (बेगम हजरत महल ने इसको नवाब घोषित कर दिया।)	कैम्पवेल

- अवध में क्रान्ति ने जनविद्रोह का रूप धारण कर लिया था।
- बंगाल आर्मी में सर्वाधिक सैनिक अवध के होते थे इसलिए **अवध को 'बंगाल आर्मी की नर्सरी'** कहा जाता था।
- हेनरी लॉरेन्स – इसको जिन्दा जला दिया गया था।
- हड़सन लड़ता हुआ मारा गया।
- बेगम हजरत महल नेपाल चली गई।

(3) कानपुर — नाना साहब उपनाम (धुन्धुंपंत) — कैम्पबेल

तात्या टोपे (रामचन्द्र पाण्डुरंग)

नाना साहब नेपाल चले गये।

(4) झाँसी — 1. लक्ष्मीबाई — ह्यूरोज

2. तात्या टोपे

- रानी लक्ष्मीबाई ने ग्वालियर पर अधिकार कर लिया था। सिन्धिया ने अंग्रेजों का साथ दिया था तथा रानी लक्ष्मीबाई ग्वालियर में लड़ते हुये मारी गई।
- ह्यूरोज ने रानी लक्ष्मीबाई के बारे में कहा कि– **''भारतीय क्रान्तिकारियों में एक मात्र मर्द है''**
- तात्या टोपे को मानसिंह ने नरवर के जंगलों में गिरफ्तार करवा दिया तथा शिवपुरी में उसे फांसी दे दी गई।
- कैनिंन ने कहा था–

''सिंधिया अगर क्रान्ति में शामिल हो जाता तो हमें भारत से जाना पड़ता।''

(5) जगदशीपुर (बिहार) — 1. कुँवर सिंह — विलियम टेलर

- अंग्रेजों ने कुँवर सिंह के बारे में कहा था कि – **"हम भाग्यशाली है, कि कुँवर सिंह 40 वर्ष का युवा नहीं है।"**

(6) फैजाबाद — मौलवी अहमद उल्ला शाह (डंका शाह) — रेनर्ड

- 22 NI. इन्हे इन्हें अपना नेता बनाया।
- चिनहाट की लड़ाई में हेनरी लॉरेन्स को हराया था।
- अंग्रेजों ने इन पर 50 हजार रु. का इनाम घोषित किया था।

(7) बरेली — 1. खान बहादुर खान — विन्सेट आयर

2.बख्त खान (यहाँ से दिल्ली गया था।)

(8) इलाहाबाद — लियाकत अली — नील

(9) फतेहाबाद — अजीमुल्ला

(10) बड़ौत — शाहूमल

(11) छोटा नागपुर गोनू (कोल जनजाति के साथ विद्रोह किया था)

☑ **क्रान्ति के योजनाकार :**

1. **अजीमुल्ला** (नाना साहब के सचिव जो नाना साहब की पेंशन की बढ़वाने लंदन गए थे।)
2. **रंगोजी बापू** (यह सतारा के छत्रपति के अधिकारों की रक्षा के लिए लंदन गए थे।)

☑ क्रान्ति का दिन 31 मई तय किया गया था लेकिन मेरठ में क्रान्ति 10 मई को शुरू हो गई थी।

☑ **क्रान्ति के प्रतीक** : 1. कमल का फूल, 2. रोटी

☑ **क्रान्ति का स्वरूप :–**

अंग्रेज इतिहासकार –	**मत**
1. लॉरेन्स/सीले	सैनिक विद्रोह
2. T.R. होम्स	सभ्यता व बर्बरता के बीच संघर्ष
3. L.E.R. रीज	धर्मान्धों एवं ईसाईयों के बीच संघर्ष
4. बेंजामिन डिजरैली (कालांतर में ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बना)	राष्ट्रीय विद्रोह
5. आउट्रम/टेलर	अंग्रेजों के विरुद्ध हिन्दू–मुस्लिम षड्यन्त्र

भारतीयों के अनुसार क्रांति का स्वरूप –

6. वीर सावरकर तथा अशोक मेहता – प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

   Book : The first war of the Indian Independance the great rebellion.

7. रमेश चन्द्र मजूंमदार – ना पहला, ना राष्ट्रीय, ना स्वतंत्रता संग्राम

   Book : The sepoy mutiny & Revolt of 1857 AD

8. सुरेन्द्र नाथ सेन – सैनिक विद्रोह से कुछ अधिक तथा राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम से थोड़ा कम

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन

☑ राजाराम मोहन राय –

☑ उपाधियाँ –

– आधुनिक भारत का पिता

– भारतीय पुर्नजागरण का जनक

– अतीत व भविष्य के बीच सेतु

– प्रभात का तारा।

☑ इनके द्वारा स्थापित संगठन

– आत्मीय सभा 1815 ई.
– हिन्दु कॉलेज 1817 ई.
– वेदान्त कॉलेज 1825 ई.
– ब्रिटिश यूनिटेरियन एसोसिएशन
– ब्रह्म समाज 1828 ई.
(स्कॉटलैंड के घड़ी साज डेविड हेयर हिन्दु कॉलेज की स्थापना में सहयोगी था)

☑ इनकी पुस्तकें :–

1. तुहफुतुल–मुहावुद्दीन (भाषा–फारसी) या एकेश्वरवादियों के उपहार or Gift to monotheist
2. हिन्दु उत्तराधिकार के नियम

3- Precepts of Jesus (इस पुस्तक में राजाराम मोहन राय ने जीसस के ईश्वर होने की बात का खंडन किया।)

☑ समाचार पत्र :–

1. मिरातुल अखबार (भाषा – फारसी) – साप्ताहिक (शुक्रवार)
2. संवाद कौमुदी/प्रज्ञाचांद/बुद्धिचाँद – (भाषा – बांग्ला)
3. ब्रह्मेनिकल मैगजीन
4. बंगदूत

☑ विचारधारा :–

1. सती प्रथा, बाल विवाह, बहु–विवाह, कन्या वध, वर्ण, जाति आदि का विरोध किया।
2. मूर्ति पूजा, कर्म–काण्ड, अवतारवाद, बहुदेववाद का विरोध किया।
3. विधवा पुर्नविवाह, महिला शिक्षा, अंग्रेजी शिक्षा, एकेश्वरवाद का समर्थन किया।
4. स्थायी बन्दोबस्त का समर्थन किया था।

5. पूँजीवाद का समर्थन किया।
6. लोकतंत्र का समर्थन किया।
7. उच्चपदों पर भारतीयों के नियुक्ति की माँग की।
8. उपनिषदों का समर्थन करते थे।

– 1833 में ब्रिस्टल में राजा राम मोहन राय की मृत्यु हो गई थी।

☑ **अन्य सहयोगीः**

- द्वारका नाथ टैगोर (राजाराम मोहन राय की मृत्यु के बाद ब्रह्म समाज का संचालन किया।)
- ताराचन्द्र चक्रवती (ब्रह्म समाज के प्रथम सचिव थे।)
- 1843 में **देवेन्द्र नाथ टैगोर** इन्होंने 1839 में **तत्वबोधिनी सभा** की स्थापना की थी इसने ब्रह्म समाज को संभाला।
  पत्रिका – तत्वबोधिनी (संम्पादक–अक्षय कुमार दत्त)
- देवेन्द्र नाथ टैगोर ने केशवचन्द्र सेन को ब्रह्म समाज का आचार्य नियुक्त किया।
- 1865 ई. में केशवचन्द्र सेन को ब्रह्म समाज से निकाल दिया गया। तथा इन्होंने बाद में **भारतीय ब्रह्म समाज** की स्थापना की। अतः बाद में देवेन्द्र नाथ टैगोर का ब्रह्म समाज **आदि ब्रह्मसमाज** कहलाया।
- 1872 ई. में केशवचन्द्र सेन के प्रयासों से Native Marriage Act पारित हुआ तथा विवाह की न्यूनतम आयु 14 व 18 वर्ष तय की गई।
- केशवचन्द्र सेन ने अपनी नाबालिग पुत्री की शादी कूच बिहार के राजा के साथ कर दी थी इसलिए उनके समर्थकों ने अलग होकर 1878 ई. में साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना की।

☑ **साधारण ब्रह्म समाजः**

संस्थापक –

1. आनन्द मोहन बोस
2. सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
3. द्वारका नाथ गांगुली

☑ **केशवचन्द्र सेन –**

- **समाचार पत्र :– Indian Mirror**
- **संगठन**

1. मैत्री सेन (संगत सभा)
2. टेबरनिकल ऑफ न्यू डिस्पेंसन (यह सेन के द्वारा स्थापित एक मंदिर था।)
3. इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन

☑ **वेद समाज (1864 ई.) – चैन्नई।**

- इसे **'दक्षिण भारत का ब्रह्म समाज'** कहा जाता है।
- इसकी स्थापना केशवचन्द्र सेन के प्रयासों से हुई।
- **संस्थापकः** धरलु नायडू, विश्वनाथ मुदालियर

☑ **प्रार्थना समाज (1867 ई.)**

- महाराष्ट्र में केशवचन्द्र सेन के प्रयासों से मुम्बई में स्थापना हुई।

संस्थापक :–

1. जस्टिस महादेव गोविन्द रानाडे
2. आत्माराम पाण्डुरंग
3. R.G. भण्डारकर
4. चन्द्रावरकर

- यह संस्था एक ही ईश्वर की प्रार्थना में विश्वास करती है।

☑ **महादेव गोविन्द रानाडे :–**

- गोखले के राजनीतिक गुरु थे।
- इन्हें **'महाराष्ट्र का सुकरात'** कहा जाता है।
- **पुस्तक** – एक आस्तिक की धर्म में आस्था।
- **संगठनः**

1. विधवा विवाह संघ (1867 ई.)
2. पूना सार्वजनिक सभा (1871 ई.)
3. दक्कन एजुकेशनल सोसायटी (1884 ई.) (फर्ग्यूसन कॉलेज पूणे)
4. नेशनल सोशल कॉन्फ्रेस (1887 ई.)
   - दक्कन एजुकेशनल सोसायटी बाद में फर्ग्यूसन कॉलेज कहलाई।
   - तिलक, गोखले, गोपाल गणेश आगरकर तीने इसे कॉलेज से जुड़े थे।

☑ **देव समाज –**

- **संस्थापक** – शिवनारायण अग्निहोत्री ।
- यह पहले ब्रह्म समाज के सदस्य थे। यह गुरू परम्परा में विश्वास करते थे।

☑ **स्वामी दयानन्द सरस्वती –**

- 1824 में मौरबी (गुजरात) गाँव में जन्म हुआ था।
- वास्तविक नाम : मूलशंकर
- उनके गुरु पूर्णानन्द ने इसे दयानन्द सरस्वती नाम दिया।
- गुरु विरजानन्द जी (अन्य नामः वृद्धानन्द/बुढ्ढन बाबा/दण्डी स्वामी) ने इन्हें वेदों की शिक्षा दी थी।

- दयानन्द सरस्वती का नारा–'**वेदों की ओर लोटो**'
- केवल ऋग्वेद को प्रामाणिक ग्रन्थ (Arithentic) मानते थे।
- 1875 ई. में बॉम्बे में आर्य समाज की स्थापना की।
- 1877 ई. में लाहौर तथा 1878 ई. में दिल्ली में स्थापना की।
- **पुस्तकें :–**

  1. सत्यार्थ प्रकाश (उदयपुर में रचित।)
  2. अद्वैत मत का खण्डन। (जन्म आधारित वर्ण व्यवस्था की आलोचना की गई।)
- पहली बार स्वदेशी, स्वराज, स्वभाषा की माँग उठाई थी।
- जन्म आधारित वर्ण व्यवस्था की आलोचना की।
- छुआछूत का विरोध किया।
- मूर्तिपूजा, जाति व्यवस्था, अवतारवाद का विरोध।
- सती प्रथा, बाल विवाह, बहु विवाह, कन्या वध आदि का विरोध किया।
- विधवा पुर्नविवाह का समर्थन किया।
- यज्ञों का समर्थन किया।
- एकेश्वरवाद और महिला शिक्षा का समर्थन।
- 1883 ई. में जोधपुर में नन्ही जान नामक महिला ने जहा दे दिया अजमेर में इनकी मृत्यु हो गई।
- इनकी मृत्यु के बाद आर्यसमाज 2 भागों में विभाजित हो गया।

वैदिक समर्थक	**अंग्रेजी तथा वैदिक समर्थक**
– स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती	– लाला लाजपतराय
– लेखराम	– लाला हंसराज
– मुंशीराम	इन्होंने D.A.V. स्कूल/कॉलेज की स्थापना की।

इन्होंने गुरुकुल कांगडी (हरिद्वार) की स्थापना की। –

- आर्य समाज ने **शुद्धि आन्दोलन** चलाया था जिसमें ईसाई तथा मुस्लिम या धर्म परिवर्तन कर चुके थे हिन्दुओं को पुनः हिन्दु बनाया जाता था।
- वेलेन्टाइन शिरोल ने अपनी पुस्तक **Indian unrest** में आर्य समाज को भारतीय अशान्ति का जनक बताया।
- वेलेन्टाइन मिशेल ने बाल गंगाधर तिलक को भी भारतीय अशान्ति का जनक बताया।

☑ स्वामी विवेकानन्द :–

- वास्तविक नामः नरेन्द्र नाथ दत्त
- खेतड़ी महाराजा अजीतसिंह ने विवेकानन्द नाम दिया था।

- इनके गुरु : रामकृष्ण परमहंस
- 1893 ई. में शिकागों के विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लिया था।
- इन्होंने अपना भाषण – **मेरे अमेरिका के भाईयों और बहनों।**
- 1896 ई. में न्यूयार्क में 'वेदान्त समाज' की स्थापना की।
- 1897 ई. में वैलूर (कलकता) में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
- मूर्तिपूजा व बहुदेववाद का समर्थन

  पुस्तकेः–

  1. **ज्ञानयोग**
  2. **कर्मयोग**
  3. **राजयोग**
  4. **मैं समाजवादी हूँ।**

- **समाचार पत्र :**

  1. प्रबुद्ध भारत (अंग्रेजी)
  2. उद्‌बोधन (बांग्ला)

- मुख्य शिष्याः मार्गेट एलिजाबेथ (सिस्टर निवेदिता)
- सुभाष चन्द्र बोस ने इन्हें राष्ट्रीय आन्दोलन का **आध्यात्मिक पिता** कहा था।
- पश्चिमी देशों में यह तूफानी हिन्दू के नाम से जाना जाता है।
- कालांतर में अल्मोडा (उत्तराखंड) में एक कार्यालय की स्थापना की।
- वैल्लूर मठ में 1902 ई. में इनकी मृत्यु हो गई।

☑ **एनी बिसेन्ट :–**

- थियोसोफिकल सोसायटी (1875 ई.)
- न्यूयॉर्क – मैडम ब्लावत्सकी, कर्नल अल्कॉट, संस्थापक
- 1882 ई. में अड्‌यार (मद्रास) को मुख्यालय बनाया।
- हिन्दु, बौद्ध व पारसी धर्म/संस्कृति में विश्वास रखते थे।
- एनी बिसेन्ट 1893 ई. में थियोसोफीकल सोसायटी के सदस्य के रूप में भारत आयी थी।
- 1907 ई. ई. में थियोसोफीकल सोसायटी की अध्यक्ष बनी थी।
- 1898 ई. में बनारस में हिन्दु कॉलेज की स्थापना की।
- यह कॉलेज 1916 ई. में मदनमोहन मालवीय के प्रयासों से बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय ;ठभ्न्द्ध बन गया।
- एनी बिसेन्ट ने एक भारतीय जना कृष्ण मूर्ति को गोद लिया था तथा भगवान कृष्ण का अवतार घोषित कर दिया था।

- **समाचार पत्र :**
  1. कॉमन वील
  2. न्यू इंडिया

☑ **हेनरी विवियन डेरोजियो :–**

- कलकत्ता के हिन्दु कॉलेज में प्रोफेसर था।
- स्वतन्त्र चिन्तन तथा तर्कशक्ति को बढ़ावा दिया था।
- इन्होंने राजा राम मोहन राय की परम्परा को आगे बढ़ाया था।
- इन्होंने **'यंग बंगाल आन्दोलन'** चलाया था।
- 1831 ई. में 22 वर्ष की आयु में हैजे से मृत्यु हो गई।
- सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने इनके अनुयायी को **सभ्यता के अग्रदूत तथा हमारी जाति का पिता कहा है।**
- **संगठनः**
  1. सोसायटी फोर एक्वीजिशन ऑफ जनरल नॉलेज
  2. एकेडेमिक एसोसिएशन
  3. डिबेटिंग क्लब
  4. एंग्लो इण्डियन हिन्दू एसोसिएशन
  5. बंग हित सभा
- **स्माचार पत्रः**
  1. ईस्ट इण्डिया
  2. इण्डिया गजट
  3. कलकत्ता साहित्य गजट

☑ **ज्योतिबा फूले :–**

- संगठन : सत्य शोधक समाज
- समाचार पत्रः गुलामगिरी
- अपनी पत्नी सावित्री बाई फूले के साथ मिलकर दलित बच्चों के लिए स्कूल खोले थे।
- इन्होंने शिवाजी की जीवनी लिखी थी।
- वी. के. वांडेकर ने इन्हें महात्मा की उपाधि दी।
- सावित्री बाई फूले को भारत की पहली महिला शिक्षिका माना जाता है।

☑ **गोपाल हरि देशमुख :–**

- संगठनः परमहंस मंडल
- समाचार पत्र : लोकहितवादी
- इस पत्रिका के कारण इसे लोकहितवादी कहा जाता था।

☑ **शारदा सदन – मुम्बई**
संस्थापक – पंडिता रमाबाई।
☑ **सेवा सदन** – पूना।
संस्थापक – रमाबाई रनाडे।

इन दोनों का उद्देश्य – विधवा महिलाओं का कल्याण करना।

अलीगढ़ आन्दोलन

- यह आन्दोलन सर सैय्यद अहमद खाँ ने चलाया था। इन्होंने मुसलमानों में आधुनिकीकरण लाने का प्रयास किया इसलिए अंग्रेजी शिक्षा का समर्थन किया व अंग्रेजी सरकार के साथ सहयोग किया।
- इन्होंने कुरान की वैज्ञानिक व्याख्या की।
- पीर–मुरीदी प्रथा का विरोध किया।
- बाइबिल पर टीका लिखी।

संगठनः

- 1863 ई. – मुहम्मडन लिटरेरी एसोसिएशन
- 1864 ई. – साइंटिफिक सोसाइटी
- 1875 ई. – एंग्लो–ओरियन्टल मोहम्मडन कॉलेज
- यही 1920 ई. में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बना।
- 1888 ई. में देशभक्त एसोसिएशन नामक पार्टी बनाई।
  - बनारस के राजा शिवप्रसाद के साथ मिलकर बनाई थी।
  - यह कांग्रेस की विरोधी संस्था थी।

समाचार पत्रः

1. तहजी उल अखलाक 2. राजभक्त मुसलमान

पुस्तक – असबाब ए बगावत ए हिन्द – उर्दू भाषा में । (1857 ई. की क्रांति से संबंधति)

- प्रारम्भ में हिन्दु–मुस्लिम एकता के समर्थक थे तथा हिन्दु व मुसलमान को एक सुन्दर दुल्हन की दो आँखे बताते थे। लेकिन बाद में कहा कि हिन्दु व मुसलमान दो अलग–अलग देश हैं
- थियोडोर बैंक, मॉरीसन, आर्चबोल्ड ये अलीगढ़ कॉलेज के प्रिसिंपल थे इन्होंने अलीगढ़ आन्दोलन को अंग्रेजों के पक्ष में झुकाया था।
- Note: W.W. हंटर की पुस्तक – इण्डियन मुसलमान।

देवबंद आन्दोलन

- 1867 ई. में U.P. (देवबन्द) से शुरू
- 1857 की क्रान्ति में शामिल लोगों ने यह आन्दोलन शुरू किया।
- इन्होंने आधुनिकीकरण का विरोध किया।
- संस्थापकः (1) रशीद अहमद गंगोही, (2) मुहम्मद कासिम ननोत्वी
- **उद्देश्यः**
  (1) इस्लाम के मूलस्वरूप को स्थापित करना।
  (2) अच्छे धार्मिक शिक्षक तैयार करना।
- यह आन्दोलन अलीगढ़ आन्दोलन का विरोध करता था।
- यह आन्दोलन कांग्रेस का समर्थन करता है।
- महमूद उल हसन ने देवबन्द आन्दोलन को राजनीतिक संस्था बनाया।
- **शिबली नुमानी :** पहले अलीगढ़ आन्दोलन से जुड़े लेकिन बाद में देवबन्द आन्दोलन से जुड़े गये थे।

वहाबी आन्दोलन

- अरब में अब्दुल वहाब द्वारा शुरू किया गया था।
- भारत में **सैय्यद अहमद बरेलवी** ने लोकप्रिय किया था।
- **उद्देश्यः** दारुल हर्ब को दारूल इस्लाम में बदलना।
- प्रारम्भ में पंजाब में सिखों के खिलाफ था।
- पंजाब के विलय के बाद अंग्रेजों के खिलाफ हो गया था।
- यह हिंसक एवं साम्प्रदायिक आन्दोलन था।
- कालान्तर में पूर्वी भारत इसका मुख्य केन्द्र–पटना हो गया।
- यहाँ के मुख्य नेताः (1) हाजी करामात अली (2) शरीयत–उल्ला खाँ

अहमदिया आन्दोलन/कदियानी आंदोलन

- 1889 ई. में कादिया (पंजाब) से गुलाम अहमद शुरू किया।
- स्वयं को पैगम्बर तथा भगवान श्री कृष्ण का अवतार घोषित किया।
- पुस्तकः बहरीन–ए–अहमदिया

रहनुमा–ए–माज्दा–ए–सभा (पारसी)

संस्थापक –

(1) फरदोन जी नौरोजी
(2) दादा भाई नौरोजी
(3) बहराम जी मालाबारी
(4) S.S बंगाली

☑ **समाचार पत्रिका :** राफ्त गोफ्तार (भाषा – अंग्रेजी व गुजराती)

- इन्होंने महिला सशक्तिकरण का प्रयास किया।

विधवा पुर्नविवाह

- 1850 ई. में विष्णु शास्त्री पंडित ने विधवा–पुनर्विवाह समाज की स्थापना की।
- 1852 ई. में करसोन दास मलजी ने सत्य प्रकाश (गुजराती) नामक पत्रिका निकाली जो विधवा–विवाह का समर्थन करती थी।
- 1878 ई. में वीर शैलिगम ने राजा मुन्द्री सोशल रिफॉर्म नामक संगठन की स्थापना की जो विधवा–विवाह को बढ़ावा देती थी।
- 1899 ई. में D.K. कर्वे ने विधवा आश्रम की स्थापना की।

बालिका शिक्षा

- 1819 ई. में ईसाई मिशनरियों ने तरुण स्त्री सभा की स्थापना की।
- 1849 ई. में श्रण्म्ण्क्ण बेटन ने कलकत्ता में पहली बालिका विद्यालय की स्थापना की थी।
- ईश्वर चन्द्र विद्यासागर 35 से अधिक बालिका विद्यालयों से जुड़े हुये थे।
- D.K. कर्वे ने 1906 ई. में बॉम्बे में महिला कॉलेज की स्थापना की थी।
- केशवचन्द्र सेन, फातिका शेख, रुकैया (Book : Dreams of Sultana) सखावत हुसैन ने भी बालिका शिक्षा के प्रयास किये थे।

बाल विवाह

- 1929 ई. में बाल विवाह रोकने के लिए **हरविलास शारदा** के प्रयासों से शारदा अधिनियम बना। जिसमें विवाह की न्यूनतम आयु 14 वे 18 वर्ष तय की गई।

सम्मति आयु अधिनियम

- 1860 ई. में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयासों से सम्मति आयु अधिनियम पारित हुआ। जिसमें न्यूनतम आयु 10 वर्ष तय की गई।
- 1891 ई. में **बहराम जी मालाबारी** के प्रयासों से सम्मति आयु अधिनियम पारित हुआ तथा न्यूनतम आयु 12 वर्ष तय की गई।
- **बहराम जी मालाबारी** आर्य समाज के सदस्य भी थे।

राष्ट्रीय आन्दोलन

➢ 28 दिसम्बर, 1885 ई. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई। इस दिन से भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रारम्भ माना जाता है।

☑ **कांग्रेस की स्थापना के पहले के राष्ट्रीय आन्दोलन :–**

(1) बंगाल जमींदार सभा–1838 ई.

➢ भारत का पहला राजनीतिक संगठन।

➢ **संस्थापक** : –

- द्वारका नाथ टैगोर
- राधाकान्त देव

(2) बंगाल ब्रिटिश एसोसिएशन (1843 ई.) –द्वारका नाथ टैगोर

(3) ब्रिटिश इण्डिया एसोसिएशन (1851 ई.) – देवेन्द्र नाथ टैगोर,राधाकान्त देव

(4) इण्डिया लीग (1875 ई.) – शिशिर कुमार घोष

(5) इण्डियन एसोसिएशन (1876 ई.) – सुरेन्द्र नाथ बनर्जी

➢ लिटन ने ICS को अधिकतम आयु 19 वर्ष कर दी थी तब सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने आन्दोलन चलाया था।

(6) नेशनल कॉन्फ्रेंस (1883 ई.) – सुरेन्द्र नाथ बनर्जी तथा आनन्द मोहन बोस।

मद्रास :

1. **मद्रास नेटिव एसोसिएशन** (1852 **ई.**)
   - इस संगठन ने 1857 **ई.** की क्रान्ति की आलोचना की इसलिए लोगों में अलोकप्रिय हो गया था।
2. **मद्रास महाजन सभा (1884 ई.)**– वी. राघवाचारी, सुब्रह्मण्यम अय्यर, आनन्द चारलू

बॉम्बे :

1. बॉम्बे एसोसिएशन (1852 ई.)

➢ नाम बदलकर बॉम्बे प्रेजीडेन्सी एसोसिएशन (1885 **ई.**)

1. बदरुद्दीन तैय्यबी
2. फिरोजशाह मेहता

लंदन :

- ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन (1866 **ई.**)
- दादा भाई नौरोजी

☑ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस :–

- 1884 **ई.** में थियोसोफिकल सोसाइटी का **अड्यार** में सम्मेलन हुआ।
- ए. ओ. ह्यूम ने भारतीयों को अखिल भारतीय संगठन बनाने का सुझाव दिया।
- इस संगठन का नाम 'इण्डियन नेशनल यूनियन' रखा गया।
- इसका पहला सम्मेलन **पूना** में होना था लेकिन वहाँ पर प्लेग फैल जाने के कारण उसका पहला सम्मेलन बॉम्बे के गोकुल दास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में हुआ।
- दादाभाई नौरोजी के कहने पर इसका नाम इण्डियन नेशनल कांग्रेस रखा गया।

(कांग्रेस उत्तरी अमेरिका से लिया गया शब्द है)

आर्य A group of people (लोगों का समूह)

सन्	केन्द्र	अध्यक्ष	मुख्य बिन्दु
(1) 1885 **ई.**	बॉम्बे	व्योमेश चन्द्र बनर्जी –	पहले इसाई अध्यक्ष थे।

- इस सम्मेलन में 72 लोगों ने भाग लिया था।
- सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने भाग नहीं लिया था
- इस सम्मेलन में 9 प्रस्ताव पारित किये गये थे तथा इनमें से एक भी प्रस्ताव किसानों व मजदूरों से सम्बन्धित नहीं था।

(2) 1886 **ई.** कलकत्ता दादाभाई नौरोजी – प्रथम पारसी अध्यक्ष थे।

(3) 1887 **ई.** मद्रास बदरुद्दीन तैय्यबजी – प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष थे।

(4) 1888 **ई.** इलाहाबाद जॉर्ज यूल – प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष थे।

(5) 1889 **ई.** बॉम्बे विलियम वेंडर बर्न – इसने A.O. ह्यूम की जीवनी लिखी थी

- यह 1910 के इलाहाबाद अधिवेशन में भी अध्यक्ष था।

(6) 1890 **ई.** कलकत्ता फिरोज शाह मेहता –

- इस अधिवेशन में कादम्बिनी गांगुली ने भाषण दिया था।
- यह कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रथम महिला ग्रेजुएट थी।

(7) 1896 **ई.** कलकत्ता रहीम तुल्ला सयानी –

- इस अधिवेशन में पहली बार वन्दे मातरम गीत गाया गया था।

(8) 1905 बनारस गोपाल कृष्ण गोखले

- स्वदेशी आन्दोलन को समर्थन दिया गया था।

(9) 1906 **ई.** कलकत्ता दादा भाई नौरोजी –

- इस सम्मेलन में 4 प्रस्ताव पारित किये गये थे।

(1) राष्ट्रीय शिक्षा, (2) स्वराज (3) स्वदेशी वस्तुऐं (4) विदेशी बहिष्कार।

(10) 1907 **ई.** सूरत   रास बिहारी घोष –

- कांग्रेस का नरम दल व गरम दल में विभाजन हो गया था।

(11) 1911 **ई.** कलकत्ता   बिशन नारायण धर – पहली बार जन–गण–मन गाया गया था।

(12) 1916 **ई.** लखनऊ   अम्बिका चरण मजूमदार

- नरम दल व गरम दल में समझौता हो गया था।
- यह समझौता एनी बिसेन्ट व तिलक के प्रयासों से हुआ था।
- कांग्रेस व मुस्लिम लीग के बीच समझौता हुआ जिसे
- लखनऊ समझौता कहा जाता है। यह तिलक व जिन्ना के प्रयासों से हुआ।
- मदन मोहन मालवीय ने इस समझौते का विरोध किया था।

(13) 1917 **ई.** कलकत्ता   ऐनी बिसेन्ट   कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष

(14) 1923 **ई.** दिल्ली   मौलाना अबुल कलाम आजाद   सबसे युवा अध्यक्ष

(15) 1924 **ई.** बेलगाम (कर्नाटक) महात्मा गाँधी   – केवल एक बार अध्यक्ष बने

- हिन्दी को राष्ट्रीय भाषा बनाने का प्रस्ताव पारित हुआ।

(16) 1925 **ई.** कानपुर   सरोजिनी नायडु   प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष

(17) 1926 **ई.** गुवाहाटी   श्रीनिवास आयंगर   कांग्रेस सदस्यों के लिए खादी पहनना अनिवार्य किया गया।

(18) 1929 **ई.** लाहौर   जवाहर लाल नेहरू

- **पूर्णस्वराज की माँग की गई थी**
- 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा की गई।
- सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाने का निर्णय लिया गया आन्दोलन का नेतृत्व गाँधी को सौंपा गया। (रावी नदी के तट पर)

(19) 1931 **ई.** कराची   सरदार वल्लभ भाई पटेल

- गांधी–इरविन समझौते को स्वीकार किया गया।
- कांग्रेस ने राजनैतिक तथा आर्थिक घोषणा–पत्र जारी किया।
- राजनैतिक : लोकतंत्र व मूल अधिकार की मांग की थी।
- आर्थिक : समाजवादी अर्थव्यवस्था की मांग
- सभी आर्थिक संसाधनों पर सार्वजनिक क्षेत्र का अधिकार हो।
- ट्रेड यूनियन को स्वायत्ता दी जाये (मजदूर संगठन)
- इस सम्मेलन में गांधी ने कहा था–इस सम्मेलन में गाँधीजी को भगतसिंह की नौजवान गांधी मर सकता है लेकिन गाँधीवादी नहीं।

- भारत सभा संस्था के लोगों ने काले झण्डे दिखाये।

(20) 1936 **ई.** लखनऊ जवाहर लाल नेहरू

(21) 1937 **ई.** फैजपुर जवाहरल लाल नेहरू

- कृषि कार्यक्रम जारी किया गया।
- उपरोक्त दोनों सम्मेलन के समानान्तर अखिल भारतीय किसान सभा के आन्दोलन हुए थे।

(22) 1938 **ई.** हरिपुरा सुभाष चन्द्र बोस

- रियासतों में चले रहे प्रजामण्डल आन्दोलन को कांग्रेस ने समर्थन दिया।
- योजना समिति का गठन किया गया। जिसके अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू थे।

(23) 1939 **ई.** त्रिपुरी (M.P.) सुभाष चन्द्र बोस –

- सुभाष जी ने गाँधी जी के उम्मीदवार पट्टाभि सीतारमैय्या को हराया था।
- कार्यकारिणी को लेकर सुभाष ने इस्तीफा दे दिया तथा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को नया अध्यक्ष बनाया गया।
- सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक नामक नये संस्था की स्थापना की।

(24) 1940 **ई.** रामगढ़ मौलना अबुल कलाम आजाद

- सबसे लम्बे समय तक अध्यक्ष रहें।
- इसमें राष्ट्रीय एकता की बात की गई थी।

(25) 1946 **ई.** मेरठ J.B. कृपलानी – आजादी के समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

(26) 1948 **ई.** जयपुर पट्टाभि सीतारमैय्या

- A.O ह्यूम 1885–1905 **ई.** तक कांग्रेस के सचिव रहे।
- बाल गंगाधर तिलक कभी कांग्रेस के अध्यक्ष नहीं रहे।
- मदन मोहन मालवीय 4 बार कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।
  1909 ई. – लाहौर, 1918 ई. – दिल्ली, 1932 ई. – दिल्ली, 1933 ई. – कलकत्ता।
- इस समय मदन मोहन मालवीय जेल में थे। इस कारण 1932 में अमृत रणछोड़दास गट्टानी तथा 1933 में नेल्ली सेन गुप्ता (विदेशी महिला) ने अध्यक्षता की थी।
- दादाभाई नौरोजी तथा जवाहर लाल नेहरू कांग्रेस के 3–3 बार अध्यक्ष बने थे।

☑ **राष्ट्रीय आन्दोलन के उदय के कारण :–**

✪ **राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रथम चरण –**

- 1805–1905 ई. – नरम दल का प्रभाव (प्रथम चरण)
- इस चरण में राष्ट्रीय आन्दोलन में नरमपंथियों का प्रभाव था।
- **मुख्य नेता :**
    1. सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
    2. दादाभाई नौरोजी
    3. फिरोज शाह मेहता
    4. गोपाल कृष्ण गोखले

❖ **दादाभाई नौरोजी** :–

- ग्रैंड ऑल्ड मैन ऑफ इण्डिया व भारत के अनाधिकृत राजदूत के नाम से प्रसिद्ध।
- अपने लेख 'इंग्लैड डेब्ट्स टू इंडिया' में धन का निष्कासन सिद्धांत दिया।
- **अन्य लेख** –
    - पावर्टी एण्ड अनब्रिटिष रूल इन इंडिया
    - द वॉण्ट्स एण्ड मीन्स ऑफ इंडिया
    - ऑन द कॉमर्स ऑफ इंडिया

✪ **राष्ट्रीय आन्दोलन का दूसरा चरण (गरम पंथी) –(1905–1919 ई.)**

- इस चरण में गरम पंथियों का प्रभाव अधिक था।
- **मुख्य नेता :**
    1. लाला लाजपतराय
    2. बालगंगाधर तिलक
    3. विपिन चन्द्र पाल
    4. अरविन्द घोष

बंगाल विभाजन

- 19 जुलाई 1905 ई. को कर्जन ने बंगाल विभाजन की घोषणा की।
- 7 अगस्त को **स्वदेशी आन्दोलन** प्रारम्भ किया गया।
- आनन्द मोहन बोस ने कलकत्ता में एक बड़ी सभा को सम्बोधित किया।
- 16 अक्टूबर 1905 ई. को बंगाल विभाजन लागू कर दिया गया। बंगाल में उस दिन शोक दिवस मनाया गया।
- रवीन्द्र नाथ टैगोर के कहने पर बंगाल में लोगों ने एक–दूसरे के राखी बाँधी।
- **मुख्य गीतः** (1) वन्दे मातरम्, (2) आमार सोनार बांग्ला

- सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने बंगाल विभाजन को ;ठमस तिवउ ठसनमद्ध आसमान से वज्रपात कहा था।
- कृष्ण कुमार मित्र के संजीवनी समाचार पत्र में विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने के लिए कहा।
- अश्विनी कुमार दत्त (बारीसाल के अध्यापक) ने स्वदेशी बांधव समिति की स्थापना की तथा स्वदेशी नामक समाचार पत्र निकाला।
- अवनीन्द्र नाथ टैगोर ने स्वदेशी चित्रकारी प्रारम्भ की तथा इण्डियन सोसायटी फॉर ऑरियन्टल आर्ट्स की स्थापना की।
- यह संस्था छात्रवृति देने का कार्य करती थी।
- नन्दलाल बोस को पहली बार छात्रवृति दी थी।
- पी.सी. राय ने बंगाल केमिकल्स एण्ड फार्मास्यूटिकल कम्पनी की स्थापना की।
- गुरुदास बनर्जी ने राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् की स्थापना की। अरविन्द घोष कलकत्ता के नेशनल कॉलेज के प्रिंसिपल थे।
- स्वदेशी आन्दोलन बंगाल के अलावा देश के अन्य भागों में हुआ।
- जैसे :–
  - दिल्ली में — सैय्यद हैदर रजा
  - मद्रास में — चिदम्बरम पिल्लै
  - आन्ध्र प्रदेश — हरि सर्वोतम राव
  - पंजाब — लाला लाजपत राय
  - महाराष्ट्र — बाल गंगाधर तिलक
- स्वदेशी आन्दोलन को लेकर नरम दल व गरम दल में मतभेद हो गया।

❖ नरम दल :–

- स्वदेशी आन्दोलन को बंगाल तक सीमित रखना चाहता था। केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के पक्ष में थे।

❖ गरम दल :–

- स्वदेशी आन्दोलन को पूरे देश में फैलाना चाहते थे।
- ब्रिटिश सरकार के प्रत्येक पक्ष का बहिष्कार करना चाहते थे।
- 1907 में कांग्रेस में विभाजन हो गया तथा ब्रिटिश सरकार ने आन्दोलन को कुचल दिया।
- तिलक पर राजद्रोह की धारा 124 (A) लगाकर 6 वर्ष की सजा सुनाई गई तथा बर्मा की मांडले जेल में भेज दिया गया।

मुस्लिम लीग

- एक मुस्लिम प्रतिनिधि मण्डल सर आगा खाँ के नेतृत्व में शिमला में गवर्नर जनरल (G.G.) मिन्टो–द्वितीय (1 अक्टूबर 1906 ई.) को मिला।
- इस प्रतिनिधि मण्डल का जनक अलीगढ़ कॉलेज का प्रिंसिपल आर्च बोल्ड था।
- 30 दिसम्बर 1906 ई. को ढ़ाका में मुस्लिम लीग की स्थापना की।
- **संस्थापक :** सलीम उल्ला खान
- **प्रथम अध्यक्ष :** वकार उल मुल्क
- 1908 ई. में सर आगा खाँ को स्थाई अध्यक्ष बनाया गया।
- 1908 ई. के अमृतसर अधिवेशन में मुस्लिम लीग ने पृथक निर्वाचन की माँग की।

1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम

मार्ले–मिन्टो सुधार

↓ ↓

भारत सचिव गवर्नर जनरल

☑ अधिनियम के प्रावधान :–

- केन्द्रीय विधानपरिषद् : में सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई। अब 69 सदस्य थे जिनमें से 9 स्थायी तथा 60 अतिरिक्त सदस्य होते थे।
- गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद् में एक भारतीय सदस्य होगा। (सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा प्रथम भारतीय सदस्य थे जिन्हें विधि सदस्य बनाया गया।
- प्रान्तीय विधानपरिषद् में भी सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई।
- जैसे :– बंगाल, मद्रास, बॉम्बे, U.P. में 50 सदस्य (United province).
  पंजाब, बर्मा, असम – 30 सदस्य।
- विधानपरिषद् के सदस्यों को पूरक प्रश्न पूछने का अधिकार दिया गया।
- बजट पर बहस कर सकते थे लेकिन बजट पर मत–विभाजन नहीं करवाया जा सकता था।
- विदेशी मामले, देशी रियासते, रेलवे, ऋण, ब्याज जैसे विषयों से सम्बन्धित प्रश्न नहीं पूछे जा सकते थे।
- मुस्लिम को पृथक निर्वाचन दिया गया।
- भारत परिषद् में भी एक भारतीय सदस्य की नियुक्ति की जायेगी।
- भारत परिषद् में पहले भी भारतीय सदस्य होते थे लेकिन अब अनिवार्य कर दिया गया था, 1907 में भारत परिषद् में 2 भारतीय सदस्य थे। – सैय्यद हुसैन बिलग्रामी, K.G. गुप्ता ।

दिल्ली दरबार (1911 ई.)

- ब्रिटिश सम्राट **जॉर्ज पंचम** तथा उनकी रानी मैरी भारत आये।

(1) बंगाल विभाजन रद्द कर दिया था।

(2) राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली लाया जायेगा।

नोटः (इस समय बॉम्बे में गेटवे ऑफ इंडिया बनाया गया)

दिल्ली षड़यंत्र केस

- 1912 में राजधानी को दिल्ली ला रहे थे तो **रासबिहारी बोस** के नेतृत्व में चाँदनी चौक में **गवर्नर जनरल हॉर्डिग–द्वितीय** पर बम फेंका गया।
- इस मुकदमें में 4 लोगों को फाँसी दी थी –
    1. अवध बिहारी
    2. अमीर चन्द्र
    3. बालमुकुन्द
    4. बसन्त कुमार

कामागाटामारू घटना (1914 ई.)

- कामागाटामारू एक जापानी जहाज था।
- सिंगापुर में रहने वाला गुरदीत सिंह 376 भारतीयों को लेकर कनाडा के वेंकुवर बन्दरगाह गया।
- कनाड़ा ने इन्हें प्रवेश नहीं दिया। लेकिन कनाड़ा में रहने वाले भारतीयों ने इसका विरोध किया तथा इनके पक्ष में आन्दोलन किया व तटीय समिति का गठन किया इसमें 3 सदस्य थे।
    1. बलवन्त सिंह
    2. रहीम हुसैन
    3. सोहन लाल पाठक
- अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने भी इनके पक्ष में आन्दोलन किया था।
- जहाज वापस जापान के **याकोहामा बन्दरगाह** पहुँचा तब तक प्रथम विश्व युद्ध शुरू हो चुका था।
- अतः अंग्रेज सरकार ने जहाज को सीधा कलकत्ता लाने का आदेश दिया व बजबज बन्दरगाह (कलकत्ता) पर भगदड़ हो गई तथा 18 लोग मारे गये थे।

होमरूल आन्दोलन (1916 ई.)

- तिलक तथा एनी बिसेन्ट ने भारत में होमरूल आन्दोलन किया था।
- होमरूल आन्दोलन आयरलैण्ड से प्रेरित था। (एनी बिसेन्ट आयरलैण्ड की निवासी थी)

❖ **तिलक :–**

- स्थापना : अप्रैल 1916 (होमरूल लीग की स्थापना)
- बेलगाम (कर्नाटक)

- अध्यक्ष :– जोसेफ बेपतिस्ता।
- क्षेत्र :– महाराष्ट्र (बॉम्बे को छोड़कर) कर्नाटक, मध्य प्रान्त, बरार
- तिलक ने भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की माँग की थी।
- तिलक ने स्थानीय माँगों को होमरूल आन्दोलन के साथ जोड़ दिया था।
- तिलक ने मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा की माँग की।
- तिलक ने रचनात्मक कार्यक्रम प्रारम्भ किये। जैसे : हिन्दु–मुस्लिम एकता, छुआछूत निवारण, शिक्षा का प्रचार–प्रसार

✪ तिलक के समाचार पत्र :–

- केसरी (मराठी भाषा में)
- मराठा (अंग्रेजी भाषा में)

✪ तिलक की किताबें :–

- गीता रहस्य
- आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज।

- गोखले की संस्था सर्वेन्ट्स ऑफ द इण्डिया सोसायटी के सदस्य को तिलक की होमरूल लीग में शामिल नहीं किया जाता था।

❖ एनी बिसेन्टः

- स्थापना :– सितम्बर 1916 ई.
- मुख्य केन्द्र :– अडियार
- क्षेत्रः तिलक के होमरूल लीग को छोड़कर शेष भारत।
- सचिवः जॉर्ज अरेन्डूल
- जवाहर लाल नेहरू, मोहम्मद अली जिन्ना, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी आदि एनी बिसेन्ट के साथ जुड़े।
- आन्दोलन आगे बढ़ने पर अंग्रेजों ने एनी बिसेन्ट को गिरफ्तार कर लिया।
- इसके विरोध में सुब्रह्मण्यम अय्यर ने अपनी नाईटहुड की उपाधि छोड़ दी थी।

मोन्टेग्यू घोषणा (अगस्त घोषणा)

- ➢ 20 अगस्त, 1917 ई.
- ➢ मोन्टेग्यू – भारत सचिव
- ➢ उसने घोषणा की कि जल्द ही भारतीयों को स्वशासन का अधिकार दिया जायेगा।
- ➢ एनी बिसेन्ट ने आन्दोलन वापस ले लिया तथा तिलक वेलेन्टाइन शिरोल पर मुकदमा करने के लिए लंदन चले गये। वहीं पर 1 अगस्त, 1920 ई. को तिलक की मृत्यु हो गई।

लखनऊ अधिवेशन (1916 ई.)
राष्ट्रीय आन्दोलन का तीसरा चरण (1919–1947 ई.)
(गाँधी युग)

☑ **चम्पारन सत्याग्रह : (1917 ई.)**

✪ **तिनकठिया प्रथा**

- भूमि के 3/20 भाग पर नील की खेती करनी अनिवार्य थी।
- गाँधीजी ने किसानों की स्थिति की जाँच की।
- अंग्रेजों ने जाँच के लिए एक समिति का गठन किया उसमें गाँधीजी को सदस्य बनाया गया।
- गाँधीजी ने किसानों को 25: जुर्माना वापस दिलवाया।
- आन्दोलन में गाँधीजी के सहयोगी
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, श्रण्ठण कृपलानी, मजरूल–उल–हक, नरहरी–पारिख
- जूडिथ ब्राउन ने अपनी पुस्तक ळंदकीपश्े तपबम जव चवूमत में इन सहयोगियों को उपठेकेदार कहा है।
- इस आन्दोलन की सफलता पर रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाँधीजी को 'महात्मा' की उपाधि दी।

✪ **अहमदाबाद मिल मजदूर आन्दोलन : (1918 ई.)**

- मिल मजदूरों ने प्लेग–भत्ता बन्द कर देने के खिलाफ आन्दोलन किया। तथा गाँधीजी ने समर्थन दिया।
- मिल मालिक अम्बालाल साराभाई ने मजदूरों को 20 प्रतिशत प्लेग भत्ता दिया।
- गाँधीजी ने इसके विरोध में मजदूरों के साथ भूख हड़ताल की।
- गाँधीजी ने मजदूरों को 35 प्रतिशत भत्ता वापस दिलवाया। अम्बालाल सारभाई की बहन अनुसुइया बेन, साबरमती आश्रम में गाँधीजी की सहयोगी थी।

✪ **जलियावाला बाग हत्याकाण्ड (13 अप्रैल 1919 ई.)**

- वैसाखी के मेले के कारण जलियावाला बाग में लोग इकट्ठे हो रखे थे।
- जनरल R. डायर ने वहाँ पर फायरिंग कर दी।
- हँसराज नामक भारतीय ने डायर का साथ दिया था।
- सरकारी आँकड़ो के अनुसार 379 लोग मारे गये थे। लेकिन वास्तविकता में मरने वालों की संख्या 1000 से अधिक थी।
- अंग्रेजों ने हत्याकाण्ड की जाँच हेतु **हन्टर कमेटी** का गठन किया उसमें 3 भारतीय सदस्य थे। चिमन लाल सीतलवाड़, जगत नारायण, सुल्तान अहमद

- गाँधीजी ने हन्टर कमेटी की रिपोर्ट के बारे में कहा था "**पन्ने दर पन्ने निर्लज्ज लीपापोती**"
- कांग्रेस ने हत्याकाण्ड की जाँच के लिए मदनमोहन मालवीय समिति का गठन किया था।
- गाँधीजी, मोतीलाल नेहरू व C.R. दास भी इसके सदस्य थे।
- हाउस ऑफ लार्ड्स ने जनरल डायर को ब्रिटिश साम्राज्य का शेर बताया। तथा उसे मान की तलवार भेंट की।
- पंजाब की गुरुद्वारा प्रबन्ध कमेटी ने जनरल डायर को सिंह की उपाधि तथा सरोपा भेंट किया।
- पंजाब के गवर्नर माइकल ओ. डायर ने जनरल डायर को निर्दोष बताया था।
- 1940 ई. में सरदार उद्यम सिंह ने इंग्लेण्ड में माइकल ओ. डायर को मार दिया था।
- इस हत्याकाण्ड के विरोध में टैगोर ने नाइटहुड की उपाधि छोड़ दी थी तथा शंकरन नायर ने गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् से इस्तीफा दे दिया था।

1919 ई. का भारत परिषद् अधिनियम

. मान्टेग्यू – चेम्सफोर्ड सुधार

भारत सचिव गवर्नर जनरल

☑ **गृह सरकार में परिवर्तन –**

(1) भारत परिषद के खर्चे, भारत से समाप्त कर दिये गये तथा ब्रिटेन पर डाल दिये गये।

(2) भारत परिषद् के सदस्यों की संख्या कम कर दी। न्यूनतम–8, अधिकतम–12

(3) लंदन में हाई कमिश्नर की नियुक्ति की गई जो भारत सरकार को भेजे जाने वाले सामान की जाँच करता था इसका खर्चा भारत देगा।

☑ **भारत सरकार में परिवर्तन –**

✪ **केन्द्र सरकार में परिवर्तन –**

(1) गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद् में 3/8 सदस्य भारतीय होंगे। इन्हें विधि, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विषय दिये गये।

(2) केन्द्र में 2 सदन बनाये जायेंगे।

	राज्य परिषद्	**केन्द्रीय विधानसभा**
सदस्य	60	145

(3) शक्तियों का विभाजन किया जायेगा।

(I.) केन्द्रीय सूची (II.) प्रान्तीय सूची

(4) सिक्खों तथा एंग्लो इंण्डियन को भी पृथक निर्वाचन दे दिया गया।

(5) प्रत्यक्ष मताधिकार प्रारम्भ किया गया लेकिन यह सार्वभौमिक नहीं था बल्कि सम्पत्ति के आधार पर था। इसमें भी महिलाओं को मताधिकार नहीं दिया।

A-1 Keshav Vihar, Riddhi-Siddhi Chouraha, Gopalpura Bypass,
Jaipur- 302018 Mob.: 0141-3555948, 9636977490, 8955577492
Springboard ACADEMY

✪ प्रान्तों में परिवर्तन

(1) प्रान्तों में द्वैध शासन लागू किया गया। तथा प्रान्तीय विषयों को 2 भागों में बाँट दिया गया।

(i) आरक्षित	(ii) हस्तान्तरित
– वित्त, सिंचाई, व्यापार–वाणिज्य	विषय :– शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग

- आरक्षित विषयों पर गवर्नर द्वारा मनोनित मंत्री कानून बनाते थे।
- हस्तान्तरित विषयों पर जनप्रतिनिधि कानून बनाते थे।

ख़िलाफत आन्दोलन

- ➢ प्रथम विश्वयुद्ध के बाद तुर्की के खलीफा के साथ ब्रिटेन ने सीवर्स की संधि की थी।
- ➢ इसके तहत खलीफा के ऑटोमन साम्राज्य को समाप्त करना था। अतः इसके खिलाफ भारतीयों मुसलमानों में गुस्सा था।
- ➢ शौकत अली एवं मुहम्मद अली दो भाईयों के नेतृत्व में इस आन्दोलन को शुरू किया गया।
- ➢ कालान्तर में इसका नेतृत्व गाँधीजी को सौंप दिया गया।
- ➢ गाँधीजी व तिलक ने खिलाफत आन्दोलन का समर्थन किया था जबकि लाला लाजपत राय तथा मदनमोहन मालवीय ने इसका विरोध किया था तथा इसे विशुद्ध धार्मिक मुद्दा बताया था।
- ➢ 31 अगस्त 1920 ई. को खिलाफत आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन का हिस्सा बन गया।
- ➢ 1924 ई. में कमाल मुस्तफा पाशा के नेतृत्व में तुर्की में क्रान्ति हो गई। तथा खलीफा के पद को समाप्त कर दिया गया।

असहयोग आन्दोलन

- ➢ 1 अगस्त 1920 ई. को तिलक की मृत्यु के साथ ही गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन शुरू कर दिया। तथा गाँधीजी ने कहा कि 1 वर्ष के अन्दर हम स्वराज प्राप्त कर लेंगे।
- ➢ कलकत्ता का विशेष अधिवेशन (कांग्रेस), सितम्बर 1920 ई.
- ➢ **अध्यक्ष** – लाला लाजपत राय
- ➢ गाँधीजी ने असहयोग का प्रस्ताव पेश किया। C.R. दास ने उसका विरोध किया लेकिन मोतीलाल नेहरू व अली बन्धुओं के सहयोग से गाँधीजी ने प्रस्ताव पारित करवा लिया।
- ➢ नागपुर का नियमित अधिवेशन (कांग्रेस) (दिसम्बर, 1920 ई.)
- ➢ अध्यक्ष– वी. राघवाचारी
- ➢ C.R. दास ने असहयोग का प्रस्ताव पेश किया।
- ➢ C.R. दास व उनकी पत्नी बसन्ती देवी, असहयोग आन्दोलन में सबसे पहले गिरफ्तार हुये थे।
- ➢ गाँधीजी ने जुलू, बोअर तथा केसर–ए–हिन्द पदक लौटा दिये तथा जमनालाल बजाज ने राय बहादुर की उपाधि लौटा दी थी।

- विदेशी कपड़ों का बहिष्कार सर्वाधिक लोकप्रिय हुआ।
- ताड़ी की दुकानों पर धरना लोकप्रिय हुआ जबकि यह मूल कार्यक्रम में नहीं था।
- 5 फरवरी 1922 ई. को चौरा–चोरी (U.P.) नामक स्थान पर उग्र भीड़ ने पुलिस थाने को जला दिया तथा इसमें 22 पुलिसकर्मी मारे गये। इससे असहयोग आन्दोलन को गाँधीजी ने वापस ले लिया।
- 12 फरवरी को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक थी (बारदोली में) तथा कांग्रेस ने असहयोग आन्दोलन समाप्ति की घोषणा की।
- नोट– C.R. दास ने चुनावों के बहिष्कार का विरोध किया जबकि लाला लाजपतराय ने स्कूलों व कॉलेजों के बहिष्कार का विरोध किया।
- राजद्रोह की धारा 124 (A) लगाकर गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया।

गया अधिवेशन (1922 ई.)

- **अध्यक्ष:** C.R. दास
- C.R. दास ने चुनाव में भाग लेने का प्रस्ताव रखा। लेकिन गाँधीजी के समर्थकों के कारण यह प्रस्ताव खारिज हो गया। तथा कांग्रेस का एक बार फिर 2 दलों में विभाजन हो गया।
- **परिवर्तनवादी समर्थक –**
  - C.R दास, मोतीलाल नेहरू, विठ्ठल भाई पटेल।
  - **विचारधारा –** इनके अनुसार हमें चुनाव में भाग लेना चाहिए तथा विधान–मण्डल में पहुँच कर अंग्रेज सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना चाहिए।
  - इनका मानना था कि यदि हम चुनाव में भाग नहीं लेंगे। तो गलत लोग विधानमण्डल में पहुँच जायेंगे एवं वे अंगेज सरकार के समर्थक होंगे।
- **अपरिवर्तनवादी समर्थक –**
  - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, C. राजगोपालाचार्य, वल्लभ भाई पटेल

स्वराज पार्टी

- 1 जनवरी 1923 को इलाहाबाद में स्वराज पार्टी का गठन हुआ।
- अध्यक्ष: C.R. दास
- महासचिव : मोतीलाल नेहरू
- स्वराज पार्टी ने 1923 के चुनावों में भाग लिया। तथा मध्य प्रान्त में उसे पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ।
- बंगाल, बॉम्बे एवं U.P. में इसे सर्वाधिक सीटे प्राप्त हुई।
- केन्द्रीय विधानसभा में 101 में से 42 सीटे प्राप्त की।
- विठ्ठल भाई पटेल को केन्द्रीय विधानसभा का अध्यक्ष बनाया।
- ली कमीशन मुडिमैन समिति ट्रेड डिस्प्यूट बिल पब्लिक सेफ्टी बिल

- उच्च पदों पर उच्च जाति के लोगों की नियुक्ति का विरोध।
- द्वैध शासन को जारी रखने का विरोध ।

➢ स्वराज पार्टी ने इनका विरोध किया था।

साइमन कमीशन (श्वेत कमीशन)

➢ भारत में संवैधानिक स्थिति की जाँच करने के लिए साइमन कमीशन का गठन किया गया।

➢ इसमें 7 सदस्य थे। तथा इनमें से एक भी भारतीय नहीं था इसलिए इसेश्वेत कमीशन कहा जाता है। तथा भारतीयों ने इसका विरोध किया।

➢ 1919 ई. के अधियमानुसार भारत में 10 वर्ष बाद संवैधानिक स्थिति की जाँच की जानी थी लेकिन आयोग का गठन 2 वर्ष पूर्व ही कर दिया गया क्योंकि।

- लखनऊ में जवाहर लाल नेहरू तथा गोविन्द वल्लभ पंत ने साइमन कमीशन का विरोध किया।
- लाहौर में लाला लाजपतराय ने साइमन कमीशन का विरोध किया
- पुलिस लाठीचार्ज में लालाजी शहीद हो गये।

➢ **लालाजी ने कहा था–**

"मेरे शरीर पर पड़ी एक–एक लाठी अंग्रेजी साम्राज्य के ताबूत की कील साबित होगी।"

➢ **साइमन कमीशन का समर्थन करने वाली पार्टियाँ –**

1. मद्रास–जस्टिस पार्टी
2 यूनिनिस्ट पार्टी – (पंजाब)
3. मुस्लिम लीग का शफी गुट

नेहरू रिपोर्ट (1928 ई.)

➢ भारत सचिव लॉर्ड बिरकैन हेड ने भारतीयों को संविधान बनाने की चुनौती दी। हमने मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में समिति का गठन किया।

➢ सुभाष चन्द्र बोस भी इस समिति के सदस्य थे।

सिफारिशे :–

(1) ब्रिटिश प्रान्त तथा देशी रियासतों को मिलाकर अखिल भारतीय संघ बनाया जाये।
(2) भारत में संघात्मक व्यवस्था लागू की जाये।
(3) प्रान्तों में द्वैध शासन समाप्त कर उन्हें स्वायत्ता दी जाये।
(4) अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र को दी जानी चाहिए।
(5) भारत को "डोमिनियन स्टेट" बनाया जाये।
(6) बर्मा को भारत से अलग किया जाये।
(7) सिंध को नया राज्य बनाया जाये।
(8) पृथक निर्वाचन समाप्त किया जाये। तथा इसके स्थान पर सामान्य आरक्षण दिया जाये।

(9) भारतीयों को मूल अधिकार दिये जाने चाहिए।

(10) भारतीयों को सार्वभौमिक मताधिकार दिया जाना चाहिए।

(11) भारत में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की जाये।

- मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा, सिख महासभा ने नेहरू रिपोर्ट का विरोध किया।
- ज्वाहर लाल नेहरू तथा सुभाष चन्द्र बोस ने डोमिनियन स्टेट की माँग का विरोध किया। तथा इन्होंने नई पार्टी इंडिपेडेस फॉर इंडिया लीग का गठन किया।
- नेहरू रिपोर्ट के विरोध में जिन्ना ने अपना 14 सूत्रीय माँग–पत्र प्रस्तुत किया।
- इसमें अवशिष्ट शक्तियाँ प्रान्तों को देने की बात कही गई।

लाहौर अधिवेशन (1929)

- कांग्रेस सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलायेगी।
- गांधीजी की 11 माँगे (जनवरी, 1930 ई.)
- गांधीजी ने गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन के सामने अपनी 11 माँगे रखी।

सविनय अवज्ञा आंदोलन

दांडी यात्रा (12 मार्च–6 अप्रैल, 1930 ई.)

- 78 सहयोगियों को लेकर साबरमती आश्रम से यात्रा प्रारम्भ की इनमें अमेरिकी पत्रकार वेब मिलकर भी शामिल थे।
- दांडी यात्रा से सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ हुआ।
- C. राजगोपालाचारी ने त्रिचनापल्ली से वेदारण्यम तक की यात्रा की।
- के.केलप्पन व टी. माधवन ने कालीकट से प्यानूर तक की यात्रा की।
- असम के लोगों ने सिल्हट से नोआखली तक की यात्रा की तथा इन सभी यात्राओं में नमक कानून तोड़ा गया।
- बिहार में चौकीदारी कर के खिलाफ आन्दोलन किया गया।
- मध्य प्रान्त में वन कानून के खिलाफ आन्दोलन किया गया।
- यू.पी तथा गुजरात में कर नहीं देने का आन्दोलन चलाया गया।
- महाराष्ट्र में सरोजनी नायडू के नेतृत्व में **धरासना सत्याग्रह** किया गया।
- असम में **कनिंघम सर्कुलर** (अभिभावकों का चरित्र प्रमाण का जमा करवाना) का विरोध किया गया।
- नागालैण्ड में मदोनांग ने जियालरंग आन्दोलन चलाया मदोनांग में होर्का पंथ की स्थापना की।
- मदोनांग की 13 वर्षीय बहिन गेडिनेल्यू को गिरफ्तार कर लिया गया।
- जवाहर लाल नेहरू ने गेडिनेल्यू को रानी की उपाधि दी थी।
- पेशावर में चन्द्र सिंह गढ़वाली नामक सैनिक ने आन्दोलनकारियों पर गोली चलाने से मना कर दिया।

- उत्तर–पश्चिम सीमा प्रान्त में खान अब्दुल गफ्फार खान (सीमान्त गाँधी) ने खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्ती दल) की स्थापना की। (पत्रिका–पख्तून (दसरोजा)

गाँधी–इरविन समझौता : (दिल्ली समझौता)
(5 मार्च, 1931 ई.)

- कांग्रेस सविनय अवज्ञा आन्दोलन वापस लेगी।
- कांग्रेस दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेगी।
- समुद्र तट के पास रहने वाले लोग नमक बना सकते हैं।
- जब्त सम्पत्ति को वापस दिया जायेगा (यदि उसे तीसरे पक्ष को नहीं बेचा गया हो)
- कांग्रेस ने पुलिस अत्याचार की जाँच की माँग को वापस ले लिया।
- राजनीतिक कैदियों को रिहा कर दिया जायेगा।

गोलमेज सम्मेलन

- ब्रिटिश सरकार द्वारा लंदन में 3 गोलमेज सम्मेलन आयोजित किये गये। (1930, 1931, 1932)
- कांग्रेस ने (1931) केवल दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था।
- कांग्रेस की तरफ से केवल गाँधीजी ने भाग लिया था।
- गाँधीजी राजपूताना नामक जहाज पर लंदन गये थे।
- सरोजनी नायडू तथा मदन मोहन मालवीय ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया था।
- फ्रेंक मोरेस ने गाँधीजी को लंदन यात्रा का वर्णन किया था।
- गोलमेज सम्मेलन से लौटकर गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन वापस शुरू कर दिया।
- 1934 ई. में सविनय अवज्ञा आन्दोलन समाप्त कर दिया गया।

साम्प्रदायिक पंचाट(16 अगस्त 1932 ई.)

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मेक्डॉनल्ड द्वारा जारी किया गया। इसके तहत दलितों को पृथक निर्वाचन दिया गया।
- गाँधीजी उस समय पूना की यरवदा जेल में थे। गाँधीजी ने इसके खिलाफ 20 सितम्बर से भूख हड़ताल प्रारम्भ की।

पूना समझौता

- 26 सितम्बर, 1932 (गाँधीजी व दलित नेता भीमराव अम्बेडकर के बीच)
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, राजगोपालाचार्य तथा पुरुषोत्तम दास टंडन ने यह समझौता करवाया था।
- अम्बेडकर ने पृथक निर्वाचन को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने सामान्य आरक्षण को स्वीकार किया तथा इसके लिए सीटें बढ़ाकर 71 से 148 कर दी गई।
- टैगोर ने इस समझौते के लिए गाँधीजी को धन्यवाद दिया था।

- गाँधीजी ने दलितो को हरिजन नाम दिया। हरिजन नामक समाचार पत्र प्रारम्भ किया। अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना की।
- इसके बाद गाँधीजी ने अपना जीवन हरिजनों के उत्थान में लगा दिया।

नोटः अम्बेडकर की पार्टियाँ –

1.ऑल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन
2.ऑल इण्डिया शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन
3.इंडिपेंडेट लेबर पार्टी
4.ऑल इण्डिया क्लास कॉन्फ्रेन्स (एम.सी. राजा)
5.ऑल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लास लीग (जगजीवन राम)

1935 का भारत शासन अधिनियम (GOI, Act, 1935)

☑ **गृह सरकार में परिवर्तन –**

1. भारत परिषद् को समाप्त कर दिया गया।
2. भारत सचिव की सहायता के लिए सलाहकारी समिति बनाई जायेगी लेकिन इसकी सलाह मानना या न मानना भारत सचिव पर निर्भर होगा।

☑ **भारत सरकार में परिवर्तन –**

✪ **केन्द्र में परिवर्तन –**

- ब्रिटिश प्रान्त व देशी रियासतों को मिलाकर अखिल भारतीय संघ बनाया जायेगा।
- इसमें ब्रिटिश प्रान्तों का शामिल होना अनिवार्य था तथा देशी रियासतों का शामिल होना वैकल्पिक था।
- (राजाओं ने रूचि नहीं ली अतः संघ नहीं बन सका)
- केन्द्र में 2 सदन होंगे –

राज्य परिषद्	**केन्द्रीय विधानसभा**
सदस्य 260 (156 + 104)	375 (250 + 125)
↓	
ब्रिटिश प्रान्त (40%) देशी रियासत	देशी रियासत (33%)

- कार्यकारी परिषद् में 3 सदस्यों को GG मनोनीत करेगा तथा 10 सदस्य भारतीय होंगे।
- केन्द्र में द्वैध शासन लागू किया जायेगा (लागू नहीं हो पाया)
- शक्तियों का विभाजन किया जायेगा तथा केन्द्रीय, प्रान्तीय, समवर्ती सूची होगी।
- अवशिष्ट शक्तियाँ G.G. को दी जानी थी।
- G.G. को वीटो एवं अध्यादेश का अधिकार दिया गया।
- बर्मा को भारत से अलग किया जायेगा।
- सिंध, उड़ीसा व उत्तर–पश्चिम सीमा प्रान्त, नये राज्य बनाये जायेंगे।

- दलितों को पृथक निवार्चन दिया गया।
- RBI व UPSC की स्थापना की जायेगी।
- संघीय न्यायालय की स्थापना की जायेगी। (केन्द्र–राज्य सम्बन्ध देखता था)

✪ **प्रान्तों में परिवर्तन –**

- प्रान्तों का द्वैध शासन समाप्त कर दिया गया तथा उन्हें स्वायत्ता दे दी गई।
- 11 में से 6 प्रान्तों में 2 सदन बनाये गये।
  बॉम्बे, मद्रास, बंगाल, असम, यू.पी., बिहार
- **नेहरूजी ने अधिनियम को उस गाड़ी के समान बताया था जिसमें इंजन नहीं है तथा ब्रेक ज्यादा हैं।**
- **प्रांतों में चुनाव –1937 ई.**
- 11 में से 8 प्रान्तों में कांग्रेस ने सरकार बनाई।
- पंजाब, बंगाल, सिंध में कांग्रेस की सरकार नहीं बनी थी।
- पंजाब–यूनिनिस्ट पार्टी (सिकन्दर हयात खान, खिज्र हमात खान)
- बंगाल – बंगाल कृषक पार्टी (फजल–उल–हक)
- सिंध– गठबंधन
- मुस्लिम लीग की एक भी जगह सरकार नहीं बनी।
- संयुक्त प्रान्त में चुनाव से पहले कांग्रेस व मुस्लिम लीग का गठबन्धन था लेकिन चुनाव के बाद कांग्रेस ने मुस्लिम लीग को सरकार में शामिल नहीं किया।
- जिन्ना ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राज्यों में मुसलमानों पर अत्याचार होते हैं तथा इसकी जाँच के लिए **शरीफ समिति तथा पीरपुर समिति** का गठन किया।
- दूसरा विश्व युद्ध शुरू होने पर अंग्रेजों ने भारतीयों को बिना पूछे इसमें शामिल कर दिया।
- 15 नवम्बर, 1939 ई. को कांग्रेस की सरकार ने सभी 8 प्रान्तों में इसके विरोध में पदों से इस्तीफे दे दिये थे।
- मुस्लिम लीग ने 22 दिसम्बर, 1939 ई. को मुक्ति दिवस के रूप में बनाया।

मुस्लिम लीग का लाहौर अधिनियम (1940 ई.)

- अध्यक्ष – जिन्ना
- पहली बार मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए अलग देश पाकिस्तान की माँग की।
- 1930 ई. में कवि इकबाल ने सबसे पहले अलग मुस्लिम देश की माँग की थी।
- 1933 ई. में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र चौधरी रहमत अली ने इस देश का नाम पाकिस्तान बताया। (**Now or Never** नामक पर्चा में यह कहा था।)

अगस्त प्रस्ताव
(8 अगस्त 1940 ई.)

➢ भारत के G.G. लिनलिथगो द्वारा अगस्त प्रस्ताव पेश किया गया।

प्रावधान :–

➢ युद्ध परामर्शदात्री समिति का गठन किया जायेगा।

➢ कार्यकारी परिषद् में भारतीयों का बहुमत कर दिया जायेगा।

➢ भारत को डोमिनियन स्टेट बना दिया जायेगा।

➢ भारतीयों को संविधान बनाने के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

➢ अल्पसंख्यकों को विश्वास में लिये बिना कोई समझौता नहीं होगा।

व्यक्तिगत सत्याग्रह आन्दोलन (1940 ई.)

➢ इसे दिल्ली चलो आंदोलन भी कहा जाता है।

➢ पवनार आश्रम (महाराष्ट्र) से व्यक्तिगत सत्याग्रह आन्दोलन प्रारम्भ हुआ था।

➢ प्रथम सत्याग्रही 1. विनोबा भावे, 2. जवाहर लाल नेहरू, ब्रह्मदत्त

क्रिप्स मिशन 1942 ई.

➢ एक सदस्यीय आयोग था।

➢ **प्रावधान :**

- भारत को ऐसा डोमिनियन स्टेट बनाया जायेगा जिसकी विदेश नीति स्वतंत्र होगी। भारत चाहे तो राष्ट्रमण्डल का सदस्य बन सकता है।
- संविधान सभा का गठन किया जायेगा।
- प्रान्तों के निचले सदन के सदस्यों के आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति द्वारा संविधान सभा का चुनाव किया जायेगा।
- प्रान्त चाहे तो अपना संविधान अलग बना सकते हैं।
- अल्पसंख्यकों के लिए अलग से समझौता किया जायेगा।
- यह सब युद्ध समाप्त होने के बाद दिया जायेगा क्योंकि तब तक भारत की जिम्मेदारी ब्रिटेन की है।

भारत छोड़ो आन्दोलन

- 14 जुलाई 1942 ई. को वर्धा में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई तथा इसमें भारत छोड़ो प्रस्ताव पेश किया गया।
- 8 अगस्त को ग्वालिया टैंक मैदान (बॉम्बे) से आन्दोलन प्रारम्भ हुआ।
- गाँधी ने करो या मरो का नारा दिया था (भाषण दिया)
- 9 अगस्त को ऑपरेशन जीरो ऑवर के तहत गाँधीजी के साथ ही कांग्रेस के सभी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।
- गाँधीजी को पूना के आगा खाँ महल में रखा गया तथा कांग्रेस के बाकी नेताओं की अहमद नगर के किले में रखा गया।
- कांग्रेस के दूसरी पंक्ति के नेताओं ने आन्दोलन चलाया।
- जय प्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, अच्यूत पटवर्धन, मीनू मसानी, अशोक मेहता, उषा मेहता, अरुणा आसफ अली
- ऊषा मेहता ने भूमिगत रेडियो स्टेशन की स्थापना की राममनोहर लोहिया यहाँ पर प्रतिदिन भाषण देते थे।
- आन्दोलन अनेक स्थानों पर हिंसक हो गया।
- अंग्रेजों ने गाँधीजी पर हिंसा का आरोप लगाया तो गाँधीजी ने इसके विरोध में 21 दिन की भूख हड़ताल की।
- कई स्थानों पर समानान्तर सरकारों की स्थापना हुई।
  - बलिया – चितू पाण्डे (प्रथम समानान्तर सरकार)
  - सतारा – नानाजी पाटिल, वाई. वी. चव्हाण (सबसे लम्बे समय तक चलने वाली सरकार)
  - तामलुक – सतीश सावंत, मांतगिनी हाजरा (इसे जातीय सरकार कहा जाता था।)
  - यहाँ पर विद्युत वाहिनी सेना का गठन किया गया था।
- 1945 तक भारत छोड़ो आन्दोलन समाप्त हो गया था।

वेबेल प्लान (1945 ई.)

- वेबेल भारत का गवर्नर जनरल था।
  - गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद् में गवर्नर जनरल तथा सेनापति को छोड़कर सभी पद भारतीयों को दिये जायेंगे।
  - कार्यकारी परिषद् में सवर्ण हिन्दू तथा मुस्लिम सदस्यों की संख्या समान होगी।
  - आगे की स्थिति पर चर्चा के लिए शिमला में सम्मेलन बुलाया जायेगा।
  - राजनीतिक कैदियों को रिहा किया जायेगा।

शिमला सम्मेलन (जून, 1945 ई.)

- इसमें 22 सदस्यों ने भाग लिया था।
- कांग्रेस का नेतृत्व 'मौलाना अबुल कलाम आजाद' ने किया था।
- जिन्ना ने कहा कि कार्यकारी परिषद के मुस्लिम सदस्यों के नाम मुस्लिम लीग द्वारा दिये जायेंगे। अतः सम्मेलन असफल हो गया।

कैबिनेट मिशन (1946 ई.)

- इसमें 3 सदस्य थे।
    1. पैथिक लॉरेन्स (भारत सचिव)
    2. ए.बी. अलेक्जेंडर (नौसेना प्रमुख)
    3. स्टेफोर्ड क्रिप्स (व्यापार बोर्ड का अध्यक्ष था)

प्रावधान :–

- ✓ ब्रिटिश प्रान्त व देशी रियासतों को मिलाकर अखिल भारतीय संघ का गठन किया जाये।
- ✓ केन्द्र को रक्षा, विदेश व संचार दिये जायेंगे। अन्य अवशिष्ट शक्तियाँ प्रान्तों को दी जायेगी।
- ✓ किसी धार्मिक विषय पर विवाद हो, तो दोनों समुदायों से अलग–अलग राय ली जायेगी।
- ✓ संविधान सभा का गठन किया जायेगा। (क्रिप्स मिशन की तरह)
- ✓ प्रान्तों को 3 भागों में बाँटा गया। प्रान्त चाहे तो अलग समूह भी बना सकते हैं।
- ✓ पहले प्रान्तों का संविधान बनाया जायेगा तथा बाद में केन्द्र का संविधान बनाया जायेगा।
- ✓ अन्तरिम सरकार का गठन किया जायेगा।
- ✓ पाकिस्तान की माँग को अस्वीकार कर दिया। क्योंकि –
    - i. पूर्वी पाक तथा पश्चिमी पाक में भौगोलिक दूरी अधिक थी।
    - ii रियासतों की समस्या।
    - iii सेना तथा संसाधनों के बंटवारे की समस्या।

संविधान सभा के चुनाव–1946 ई.

- केबिनेट मिशन की सिफारिश के आधार पर चुनाव हुए।
- चुनाव में मुस्लिम लीग को 78 में से 73 सीटें प्राप्त हुई।
- संविधान सभा में बहुमत नहीं होने के कारण मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त, 1946 ई. को 'सीधी कार्यवाही दिवस' मनाया तथा देश में साम्प्रदायिक दंगे हो गए।
- जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया।
- शुरूआत में मुस्लिम लीग ने इसका विरोध किया लेकिन बाद में मुस्लिम लीग के 5 सदस्य अन्तरिम सरकार में शामिल हुए। लियाकत अली (पाक के प्रथम प्रधानमंत्री) को वित्तमंत्री बनाया गया।

ब्रेकिंग डाउन प्लान

- यह योजना भी वेवेल ने दी थी।
- इसके अनुसार भारत को दो चरणों में स्वतंत्रता प्रदान की जाएगी–
  1. हिंदू बहुसंख्यक प्रांत
  2. मुस्लिम बहुसंख्यक प्रांत

एटली घोषणा (20 फरवरी, 1947 ई.)

- क्लीमेन्ट एटली – ब्रिटिश प्रधानमंत्री
- वेबेल के स्थान पर माउन्ट बेटन को G.G. बनाया जायेगा।
- जून 1948 ई. तक भारत को आजाद कर दिया जायेगा।

प्लान बाल्कन

- यह योजना माउन्ट बेटन ने दी थी।
- इसके अनुसार बाल्कन देशों की तरह भारत के कई विभाजन किये जाये।

माउन्ट बेटन योजना : (डिकी बर्ड प्लान) (3 जून 1947 ई.)

- 15 अगस्त को भारत व पाकिस्तान 2 डोमिनियन स्टेट बनाये जायेंगे।
- बंगाल व पंजाब विधानमण्डल में दोनों समुदायों के सदस्यों को अलग–अलग बैठाकर राय पूछी जायेगी।
- उत्तर–पश्चिम सीमा प्रान्त तथा असम के सिल्हट जिले में जनमत संग्रह करवाया जायेगा।
- विभाजन के लिए रेडक्लिफ आयोग का गठन किया जायेगा।

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम
(18 जुलाई, 1947 ई.)

- भारत व पाकिस्तान 2 डोमिनियन स्टेट होंगे।
- जब तक संविधान के निर्माण नहीं होता है तब तक 1935 ई. के अधिनियम के तहत शासन किया जायेगा।
- जब तक चुनाव नहीं हो जाते हैं संविधान सभा संसद का कार्य करेगी।
- ब्रिटिश महारानी की केसर–ए–हिन्द उपाधि समाप्त कर दी जायेगी।
- देशी रियासतों के साथ ब्रिटिश सन्धियाँ समाप्त कर दी गई।

भारत में क्रान्तिकारी आन्दोलन

☑ **पहला चरण –**

✪ **महाराष्ट्र**

1.वासुदेव बलवन्त फड़के

- रामोसी जनजाति के साथ विद्रोह किया था। (1870 ई.)
- भारत का प्रथम संगठित क्रान्तिकारी आन्दोलन था।
- मुख्य केन्द – बॉम्बे
- उद्देश्य – हिन्दू राज्य की स्थापना
- अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर लिया।
- कालान्तर में दौलता रामोसी ने विद्रोह को आगे बढ़ाया।

2. **चापेकर बन्धु**

1. दामोदर चापेकर
2. बालकृष्ण चापेकर

- 22 जून 1897 ई. को 2 प्लेग अधिकारी रैण्ड और आयर्स्ट की हत्या कर दी।
- चापेकर बन्धुओं को फाँसी हुई।
- तिलक को 18 महिने की जेल हुई। क्योंकि उन्होंने केसरी समाचार पत्र में आपत्तिजनक लेख लिखा था। (तिलक पहले राजनेता थे जिन्हें जेल हुई)

3. विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर)

- 1899 ई. में नासिक में मित्र मेला नामक संगठन की स्थापना की तथा 1904 ई. में इसका नाम बदलकर अभिनव भारत कर दिया गया।
- अभिनव भारत का प्रतीक चिन्हः चित्तौड़गढ़ का विजयस्तम्भ था।
- कालान्तर में सावरकर पढ़ने हेतु लंदन चले गये।
- अभिनव भारत के अनन्त लक्ष्मण करकरे ने नासिक के जज जैक्सन की हत्या कर दी।
- करकरे को फाँसी हुई।

✪ **बंगाल :–**

अनुशीलन समिति

कलकत्ता	**मिदनापुर**	**ढाका**
पी. मित्रा	ज्ञानेन्द्र नाथ बसु	वारीन्द्र घोष भूपेन्द्र नाथ दत्त

- समाचार पत्र
  - ✓ युगान्तर
  - ✓ सन्ध्या
  - ➢ हेमचन्द कानूनगो को बम निर्माण विधि हेतु पेरिस भेजा। (रूसी व्यक्ति से सीखा था)
  - ➢ माणिकतल्ला (कलकत्ता) में बम बनाना शुरू किया।
  - ➢ प्रफुल्ल चाकी तथा खुदीराम बोस ने मुजफ्फरपुर के जज को किंग्सफोर्ड को मारने का प्रयास किया लेकिन गलती से 2 कैनेडी महिलाऐं मारी गई।
  - ➢ प्रफुल्ल चाकी ने पुलिस से बचने के लिए आत्महत्या कर ली तथा खुदीराम बोस को फाँसी दी गई।
  - ➢ अंग्रेजों ने माणिकतल्ला से 34 क्रान्तिकारियों को गिरफ्तार किया इनमें अरविन्द घोष भी शामिल थे। इसे अलीपुर षड्यंत्र मुकदमा कहा जाता है।
  - ➢ नरेन्द्र गोसाई (34 में से था) सरकारी गवाह बन गया था इसलिए बाकी क्रान्तिकारियों ने इसकी हत्या कर दी थी।
  - ➢ अरविन्द घोष को सबूतों के अभाव में छोड़ दिया गया।
  - ➢ अरविन्द घोष पाण्डिचेरी चले गये थे तथा वहाँ आश्रम खोल लिया।

❖ **अरविन्द घोष की पुस्तकें –**

1. सावित्री
2- Life denine
3. Essays on Geeta
4. New Lamps for old – इसमें नरमपंथियों की आलोचना की गई थी

❖ **बारिन्द्र घोस की पुस्तकें:**

1. भवानी मंदिर
2. वर्तमान राजनीति के नियम

➢ बाधा जतिन 1915 में बालासोर (उड़ीसा) में पुलिस मुठभेड़ में शहीद हो गये थे।

✪ **पंजाब :**

मुख्य नेता –

1.लाला लाजपतराय

2.अजीत सिंह (भगत सिंह के चाचा)

- संगठन–अंजुमन–ए–मोहब्बत–ए–वतन
- समाचार पत्र –भारत माता

विदेशों में क्रान्तिकारी आन्दोलन

☑ लंदन

✪ श्यामजी कृष्ण वर्मा

- संगठन – Indian Homerule society स्थापित (1905 ई.)
- कार्यालय – India House
- समाचार पत्र – Indian Sociologist
- **अन्य सहयोगी –**
    1. अब्दुल्ला सुहरावर्दी
    2. मैडम भीखाजी कामा
    3. वीर सावरकर
    4. मदन लाल धींगड़ा
- 1907 ई. में 1857 ई. की क्रान्ति की स्वर्ण जयन्ती मनाई।
- वीर सावरकर ने Grove warning नामक पर्चा प्रकाशित किया।
- मदन लाल धींगड़ा ने भारत सचिव के राजनीतिक सलाहकार कर्जन वाइली की हत्या कर दी।
- मदन लाल धींगड़ा को फाँसी हुई तथा वीर सावरकर को काले पानी की सजा हुई।
  (वीर सावरकर ने रास्ते में जाते समय बंगाल की खाड़ी में कूद गये थे।)

✪ मैडम भीखाजी कामा

- पारसी महिला थी
- दादाभाई नौरोजी की सचिव थी।
- इन्हें भारतीय क्रान्ति की माता कहा जाता है।
- जर्मनी के स्टूटगार्ट में 1907 में अन्तर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में भारतीय झण्डा फहराया।

☑ वैंकुवर –

- तारकनाथ दास, जी.डी. कुमार ने United India House की स्थापना की।
- तारकनाथ दास का समाचार पत्र – Free Hindustan
- जी.डी. कुमार का समाचार पत्र – स्वदेशी सेवक
- संगठन – स्वदेशी सेवक गृह
- रामनाथ पुरी का समाचार पत्र – सर्कुलर–ए–हिन्द

☑ सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका)

- लाला हरदयाल, सोहन सिंह भाखना ने युगान्तर आश्रम की स्थापना की।
- लाला हरदयाल स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे।
- 1 नवम्बर 1913 ई. से 'गंदर' नामक समाचार पत्र प्रकाशित करना प्रारम्भ किया।

- सबसे पहले उर्दू भाषा में निकाला गया परन्तु बाद में अन्य मराठी, पंजाबी, पश्तो आदि कई भाषाओं में निकाला गया।
- गदर आन्दोलनकारियों ने भारत में रासबिहारी बोस को अपना नेता बनाया।
- 21 फरवरी 1915 ई. को भारत में एक साथ क्रान्ति की योजना बनाई गई लेकिन अंग्रेजों को पता चल जाने के कारण यह योजना असफल हो गई।
- भाई परमानन्द व करतारसिंह सराभा को फाँसी हुई।
- इसे 'प्रथम लाहौर षड्यंत्र मुकदमा' कहा जाता है।

☑ **अफगानिस्तान**

- रेशमी रूमाल षड़यंत्र (1913 ई.)
- उबेदुल्ला सिन्धी, महमूद हसन
- 1915 ई. में राजा महेन्द्र प्रताप ने अफगानिस्तान में भारत सरकार का गठन किया।
- इन्होंने वृन्दावन में प्रेम विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।

☑ क्रान्तिकारी आन्दोलन का दूसरा चरण –

✪ हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन (1924 ई.) (कानपुर)

संस्थापकः

1. शचीन्द्र सान्याल — पुस्तकें – बन्दी जीवन, वर्तमान रणनीति
2- भगवती चरण बोहरा — पुस्तक – The philosopy of bomp
3. चन्द्रशेखर आजाद
4. रामप्रसाद बिस्मिल
5. जोगेश चटर्जी

- 9 अगस्त, 1925 ई. को काकोरी में सरकारी खजाने वाली ट्रेन को लूट लिया गया।
- इस मुकदमें में 4 लोगों को फाँसी हुई थी।
  1. राम प्रसाद बिस्मिल
  2. अशफाक उल्ला खाँ
  3. रोशन सिंह
  4. राजेन्द्र लाहिड़ी

✪ हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोएिशन – (1928 ई.) (फिरोजशाह कोटला – दिल्ली)

संस्थापक :

1. चन्द्र शेखर आजाद
2. भगत सिंह
3. राजगुरु
4. सुखदेव

- 30 अक्टूबर, 1928 ई. को लाहौर में लालाजी को मार दिया गया।
- इसके विरोध में 17 दिसम्बर 1928 ई. को सांडर्स को मार दिया गया।
- 8 अप्रैल 1929 ई. को भगतसिंह तथा बटुकेश्वर दत्त ने पब्लिक सेफ्टी बिल के विरोध में केन्द्रीय विधानमण्डल की खाली बेन्च पर बम फेंके थे।
- क्रान्तिकारियों ने जेल में भूख हड़ताल की थी। 64 दिन की भूख हड़ताल के बाद जतिन दास शहीद हो गये।
- 23 मार्च,1931 ई. को सांडर्स को मारने के आरोप में भगतसिंह, राजगुरू तथा सुखदेव को फाँसी दी गई। इसे 'द्वितीय लाहौर षड़यंत्र केस' कहा जाता है।
- 27 फरवरी,1931 ई. को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में चन्द्रशेखर आजाद, पुलिस मुठभेड़ में शहीद हो गये।
- **भगतसिंह के संगठन :** नौजवान भारत सभा, लाहौर छात्र संघ,
- **भगतसिंह की पुस्तक :** मैं नास्तिक क्यों हूँ

✪ इण्डियन रिपब्लिकन आर्मी

- **संस्थापन :** सूर्यसेन
  - चटगाँव के राष्ट्रीय विद्यालय में शिक्षक थे।
  - इन्होंने विद्रोही संघ की स्थापना भी की थी।
- **सहयोगी :**
  1. अनन्त सिंह
  2. गणेश
  3. लोकीनाथ बाउले
  4. प्रीतिलता वाडेकर
  5. कल्पना दत्त
- 18 अप्रैल,1930 ई. को चटगाँव में शस्त्रागार पर हमला किया। तथा वहाँ से हथियार प्राप्त किये।
- चटगाँव में सूर्यसेन के नेतृत्व में राष्ट्रीय सरकार बनाई गई।
- प्रीतिलता वाडेकर रेलवे कारखाने पर आक्रमण के दौरान शहीद हो गई थी।
- 1934 ई. में सूर्यसेन को फाँसी दे दी गई।
- शांति घोष तथा सुनीति चौधरी नामक 2 स्कूली छात्राओं ने 14 दिसम्बर,1931 ई. कोमिल्ला (उड़ीसा) के जिलाधिकारी को गोली मारी दी थी।
- 6 फरवरी,1932 ई. को बीना दास ने दीक्षान्त समारोह में गवर्नर को गोली मार दी।

भारत में साम्यवादी आन्दोलन

☑ मानवेन्द्र नाथ रॉय (M.N. रॉय) -

- 1920 ई. में ताशकन्द में भारतीय साम्यवाद दल की स्थापना की (लेनिन की सलाह पर)
- ये स्टालिन के परामर्शदाता थे।
- कम्यूनिस्ट इंटरनेशनल में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय थे।
- **समाचार पत्रः** वेनगार्ड ऑफ इंडियन इंडिपेंडेस (एडवांस्ड गार्ड)
- पुस्तकः इंडिया इन ट्रांजिशन
- **सहयोगी :** अवनी मुखर्जी, रोजा फीटीग्राफ, मुहम्मद अली, मुहम्मद शफीक
- 1940 में अतिवादी लोकतंत्र दल की स्थापना की।
- 1925 में सत्य भक्त ने कानपुर में कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की स्थापना की।
- महासचिव M.C. घाटे

साम्यवादी मुकदमे –

(1) पेशावर षड़यंत्र केस (1922)

- रूस से प्रशिक्षण प्राप्त करके आ रहे साम्यवादियों को पेशावर में गिरफ्तार कर लिया था।

(2) कानपुर षड्यंत्र केस (1924)

साम्यवादी	केन्द्र	समाचार पत्र
(1) श्री पाद अमृत डांगे	बॉम्बे	द सोशलिस्ट
(2) मुजफ्फर अहमद	बंगाल	नवयुग
(3) गुलाम हुसैन	पंजाब	इन्कलाब
(4) सिंगार वैली चेट्टियार	मद्रास	लेबर किसान गजट

- श्रीपाद अमृत डांगे का पर्चा/लेख : गाँधी बनाम लेनिन
- मुजफ्फर अहमद + नजरुल इस्लाम ने बंगाल नामक समाचार पत्र निकाला।

(3) मेरठ षड्यंत्र केस (1929 ई.):

- 31 साम्यवादियों को गिरफ्तार किया था जिनमें से 3 अंग्रेज थे।
- फिलीप स्प्रेट, बेन ब्रेउले, लेस्टर हचिन्सन
- इनका मुकदमा लड़ने वाले वकील
- कैलाश नाथ काटजू, जवाहर लाल नेहरू, एम.सी. छागला, एच. एफ. अंसारी
- महात्मा गाँधी इन साम्यवादियों से मुलाकात करने जेल (मेरठ) मिलने गये।

कांग्रेस समाजवादी दल

- 1934 में बॉम्बे में स्थापना की गई।
- यह कांग्रेस में एक दबाव समूह था।
- **उद्देश्य–**
    - कांग्रेस में समाजवादी विचारधारा को लोकप्रिय बनाना।
    - युवाओं को समाजवाद की तरफ जाने से रोकना।
    - युवाओं को कांग्रेस में साम्यवाद का विकल्प उपलब्ध करवाना।

मुख्य नेता –

नेता	किताब
– जय प्रकाश नारायण	समाजवाद क्यो
– राम मनोहर लोहिया	भारत विभाजन के गुनहगार
– आचार्य नरेन्द्र देव	समाजवाद और राष्ट्रीय आन्दोलन
– अच्युत पटवर्धन	
– अशोक मेहता	

अन्य समाजवादी दल

नाम	संस्थापक
– क्रांतिकारी साम्यवादी दल	– सोमेन्द्र नाथ टैगोर
– भारतीय बोल्शेविक दल	– N.D. मजूमदार
– बोल्शेविक लेनिनिस्ट दल	– अजीत रॉय इन्द्रसेन

आजाद हिन्द फौज

- कैप्टन मोहन सिंह तथा निरंजन सिंह गिल ने जापानियों के सहयोग से आजाद हिन्द फौज का गठन किया।
- इन्होंने रास बिहारी बोस को अपना नेता बनाया।
- इन्होंने टोकियों में इंडियन इंडिपेंडेस लीग की स्थापना की।
- इस फौज में कालान्तर में सुभाष चन्द्र बोस को मुख्य बनाया गया।
- सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द सरकार का गठन किया।
- सिंगापुर व रंगून में आजाद हिन्द फौज के मुख्यालय बनाये गये।
- आजाद हिन्द फौज की झाँसी की रानी बटालियन की प्रमुख लक्ष्मी स्वामीनाथन थी।
- सुभाष चन्द्र बोस ने गाँधीजी को राष्ट्रपिता कहा था।
- आजाद हिन्द फौज ने अण्डमान एवं निकोबार द्वीप पर कब्जा कर लिया था तथा इनके नाम बदलकर शहीद व स्वराज द्वीप कर दिया था।

- 1945 ई. में जापान ने आत्मसर्मपन कर दिया। इसलिए आजाद हिन्द फौज को पीछे हटना पड़ा।
- ताइवान जाते समय सुभाष चन्द्र बोस की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई।
- आजाद हिन्द फौज के 3 अधिकारियों पर लाल किले में मुकदमा चलाया ।
- प्रेम कुमार सहगल, शाहनवाज खान, गुरुबक्श सिंह ढिल्ले।
- इनका मुकदमा लड़ने वाले वकील
- भूला भाई देसाई, कैलाश नाथ काटजू, तेजबहादुर सप्रु, जवाहर लाल नेहरू।
- तीनों अधिकारियों को फाँसी की सजा हुई। गवर्नर जनरल वेबेल ने अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करते हुये इन्हें माफ कर दिया था।
- सुभाष चन्द्र बोस की आत्मकथा–इंडियन स्ट्रगल
- सुभाष चन्द्र बोस की जीवनी स्प्रिंगिग टाइगर – लेखक (ह्यू टोये)

शाही नौसेना विद्रोह

- 18 फरवरी 1946 – 25 फरवरी 1946 ई.
- नौसैनिकों ने नस्लीय भेदभाव व खराब खाने की शिकायत की।
- B.C. दत्त नामक सैनिक ने तलवार नामक जहाज पर अंग्रेजों भारत छोड़ो लिख दिया था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया।
- यह विद्रोह बॉम्बे से कराची बन्दरगाह तक फैल गया।
- 22 फरवरी को मजदूरों ने इसके पक्ष में हड़ताल की।
- पटेल व जिन्ना के समझाने पर नौसैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

प्रमुख समाचार पत्र

- जेम्स ऑगस्टस हिक्की – The Calcutta General Advertiser (Hicky's Bengal Gazette)
- James Augustus Hicky - भारत का पहला समाचार पत्र
- बॉम्बे हेराल्ड – बम्बई का प्रथम अंग्रेजी साप्ताहिक समाचार पत्र
- बंगाल गजट – 1816 में गंगाधर भट्टाचार्य द्वारा प्रकाशित।
- यह किसी भारतीय द्वारा अंग्रेजी में प्रथम समाचार पत्र
- ''दिग्दर्शन'' समाचार पत्र – सेरामपुर से – देशी भाषा का प्रथम समाचार पत्र
- संवाद कौमुदी – भारतीय भाषा में भारतीय द्वारा प्रथम समाचार पत्र
- उदंत मार्तण्ड समाचार पत्र– जुगल किषोर शुक्ल द्वारा हिन्दी में प्रकाशित।
- इसके प्रथम प्रकाषन की तिथि 30 मई को हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता।
- क्रिस्टोदास पाल (पत्रकारिता का राजकुमार)
- हिन्दू पैट्रियाट

नोटः– भारतेन्दु हरिष्चन्द्र को आधुनिक हिन्दी भाषा का जनक।

- मदनमोहन मालवीय– भारतेन्दु हरिष्चन्द्र की पत्रिका 'हरिष्चन्द्र चन्द्रिका' में मकरन्द नाम से लिखते थे।

भारत में किसान आन्दोलन

1. **नील आंदोलन (1859–60 ई.) :–**
   - यह आंदोलन ''ददनीप्रथा'' के खिलाफ शुरू किया गया था।
   - इसके तहत अंग्रेजों ने किसानों द्वारा जबरदस्ती नील की खेती करवाई।
   - प्रारम्भ – सितम्बर 1859 ई. बंगाल के नदिया जिले के गोविंदपुर गांव से
   - डिप्टी मजिस्ट्रेट ''हेमचन्द्रावरकर'' से एक सरकारी आदेश पढ़ने से हुई चूक से यह आंदोलन शुरू हुआ था।
   - नेता :– विष्णु विश्वास, दिगंबर विश्वास
   - हरीष चंद्र मुखर्जी ने अपने अखबार ''हिन्दु पैट्रियट'' में इस आंदोलन का समर्थन किया।
   - नाटकः–
     - दीनबंधु मित्र – नील दर्पण
     - माइकल मधुसुदन दत्त – ब्लू मिरर

2. **पाबना विद्रोह (1873–76 ई.)–**
   - 1873 ई. किसानों ने जमीदारों के खिलाफ इस आंदोलन की शुरूआत की।
   - 1859 ई. में एक एक्ट द्वारा किसानों को भूमि से बेदखली एवं लगान में वृद्धि के खिलाफ एक सीमा तक संरक्षण दिया गया इसके बावजूद जमीदारों ने किसानों को बेदखल किया व अधिक कर वसूला।
   - किसानों ने ''यूसूफ सराय किसान संघ'' की स्थापना की।
   - यह एक कानूनी और अहिंसक आंदोलन था।

रैय्यत–किसान

- किसान मुस्लिम थे और जमींदार हिंदू थे लेकिन यह आंदोलन सांप्रदायिक नहीं हुआ।
- यह आंदोलन जमीदारों के विरूद्ध था न कि अंग्रेजों के विरूद्ध।
- बंगाली बुद्धिजीवियों ने किसानों का समर्थन किया।
- बंकिम चंद्र चटर्जी, आर.सी. दत्त
- इंडियन एसोसिएषन ने किसानों का समर्थन किया।
- नेताः– शंभु पाल, ईषान चंद्र रॉय

3. **दक्कन विद्रोह 1875 ई.:**
   - किसानों ने महाजनों के खिलाफ इस आंदोलन की शुरूआत की।
   - किसानों ने सामाजिक रूप से महाजनों का बहिष्कार किया।
   - यह आंदोलन ''करडारू ;डम्द्ध'' नामक स्थान से शुरू हुआ।
   - 12 मई 1875 यह सूपा (पूणे की मंडी) में हिंसक हो गया।
   - महाजनों से ऋणपत्र छीनकर जला दिए गए।
   - किसानों ने महाजनों के खातों में आग लगा दी।
   - 1879 ई. ''दक्कन किसान राहत अधिनियम'' पारित किया गया और किसानों को संरक्षण दिया गया।
4. **कूका आंदोलन/नामधारी आंदोलन (1857 ई.) –**
   - **नेता** → बालक सिंह, भगत जवाहरलाल
   - **मुख्यालय –** हजारा
   - बाद में रामसिंह कूका ने इस आंदोलन को आगे बढ़ाया।
5. **एका आंदोलन –**
   - 1920–21 ई. में असहयोग आंदोलन के दौरान किसानों ने जमीदारों के खिलाफ विद्रोह किया।
   - यह एक हिंसक आंदोलन था जिसे सरकार ने कुचल दिया।
   - **मुख्य क्षेत्रः–** √ हरदोई
     - ✓ बेहरिच
     - ✓ सीतापुर
   - **मुख्य नेता** – सहदेव, मदारी पासी
6. **रम्पा आंदोलन (1879–1922 ई.) –**
   - रम्पा जनजाति के लोगो ने इस आंदोलन की शुरूआत बाहरी लोगों विषेषकर जमीदारों के खिलाफ की थी।
   - **मुख्य नेता –** अल्लूरी सीताराम राजू
7. **ताना भगत आंदोलन 1914 ई.:**
   - 1914 ई. में बिहार में उरावं जनजाति के लोगो ने चौकीदारी कर व लगान की ऊंची दर के खिलाफ इस आंदोलन की शुरूआत की।

   नेता – जतरा भगत

8. **तेभागा आंदोलन 1946 ई.:–**

- फ्लाउड कमीशन की सिफारिष के आधार पर 1/3 वे भू राजस्व तय किया गया परन्तु अभी भी किसानों से अधिक भू राजस्व लिया जा रहा था।
- यह आंदोलन बंगाल में भूमि राजस्व के 1/3 भाग (1946 ई.) के लिए किया गया था।

नेताः– कम्पाराम सिंह, भवन सिंह

9. **बारदोली सत्याग्रह 1928 ई.:**

- 1928 ई. में सूरत (गुजरात) के बारदोली तालुका में किसानों ने लगान न अदायगी का आंदोलन शुरू किया।
- यह आंदोलन कुनबी पाटीदार किसान के द्वारा शुरू किया गया था।
- कालीपराज जनजाति के खेतीहर मजदूर भी शामिल थे।
- गाँधीजी ने उन्हें 1927 ई. में कालीपराज सम्मेलन में रानीपराज की उपाधि दी।
- जब कांग्रेस ने लगान में 30 प्रतिशत की वृद्धि के खिलाफ आंदोलन किया तो सरकार ने घोषणा की इसे घटाकर 21.9 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

नेताः–कल्याण जी मेहता, कुंवर जी मेहता

- 4 फरवरी, 1928 ई. को वल्लभ भाई पटेल ने आंदोलन का नेतृत्व संभाला।
- 2 अगस्त, 1928 ई. को गाँधीजी बारदोली पहुंचे।
- गाँधीजी भी आंदोलन में शामिल हो गए।
- अंग्रेजों ने जांच आयोग का गठन किया।
- जांच आयोग के सदस्य – न्यायाधीश → ब्रूमफील्ड, मैक्सवेल
- अंग्रेजो ने भूमि राजस्व वृद्धि को 6.03 प्रतिशत तक घटा दिया।
- **बारदोली सत्याग्रह की महिलाओं ने वल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी।**

10. **मोपला आंदोलन (मालाबार तट) –**

- प्रारम्भ में खिलाफत तथा असहयोग आंदोलन का हिस्सा था।
- मालाबार के मोपला मुस्लिम किसानों ने मालाबार से नम्बुदरीपाद ब्राह्मण जमीदारों के खिलाफ विद्रोह किया।

नेता – अली मुसलियार

11. **उत्तरप्रदेष किसान सभाः– 1918**

नेताः– गौरी शंकर मिश्र, इंद्र नारायण द्विवेदी, मदन मोहन मालवीय

12. **अवध किसान सभा –1920 ई:**

- इसकी स्थापना बाबा रामचंद्र के प्रयासो से हुई थी।
- **नेता:–** दुर्गपाल सिंह, झिंगुरिपाल सिंह, माता बदल पांडे, केदारनाथ, जवाहर लाल नेहरू
- **मुख्य केंद्र –** प्रतापगढ़ (खरगांव) ;न्च्द्ध
- खरगांव में किसानों ने नाई धोबी बंद किया गया।
- जमींदारों का सामाजिक बहिष्कार किया गया।

13. **बिहार किसान सभा 1923 ई.**

संस्थापक → स्वामी सहजानंद सरस्वती

- उन्होने बकाष्त भूमि आंदोलन शुरू किया।
- बकाश्त भूमि→ किसानों द्वारा कर का भुगतान नहीं करने पर भूमि को जब्त किया गया।

14. **आंध्र प्रांतीय रेयत सभा – 1928 ई.**

- अध्यक्ष – एन.जी. रंगा

15. **बंगाल किसान पार्टी 1929 ई.:–**

- संस्थापक → फजल–उल–हक

16. **उत्कल किसान पार्टी (किसान सभा) 1935 ई.–**

- संस्थापक → मालती चौधरी

17. **अखिल भारतीय किसान सभा – 1936 ई.**

- स्थापना – 11 अप्रेल, 1936 लखनऊ
- अध्यक्ष – सहजानन्द सरस्वती
- सचिव – एन.जी. रंगा

जनजातीय आंदोलन

सन्यासी विद्रोह 1770 ई → बंगाल

- बंकिम चन्द्र चटर्जी का आनन्द मठ
- एक लम्बे अभियान के बाद ही वारेन हेस्टिंग्स इस विद्रोह को दबा पाया।

खासी विद्रोह 1829 ई.:– असम (वर्तमान–मेघालय)

- नेताः– तीरत सिंह

कोल विद्रोह 1831 ई. – छोटा नागपुर

- अंग्रेजों ने इनके मुखिया मुंडो से भूमि छीनकर मुस्लिम तथा सिख किसानों को दे दी थी।
- यह विद्रोह रांची, हजारी बाग, पलामू तथा मानभूम क्षेत्रों में फैल गया था।

संथाल विद्रोह 1856 ई.–

- भागलपुर से राजमहल के बीच का क्षेत्र दामन–ए–कोह कहलाता था तथा यह संथाल बहुल क्षेत्र था।
- नेता–सिद्धू और कान्हू

मुंडा विद्रोह 1899 – 1900 ई. – छोटा नागपुर

- नेता – बिरसा मुंडा
- बिरसा मुंडा की उपाधि → उल गुलान

खोंड विद्रोह 1837–1856 ई:

- तमिलनाडू से लेकर बंगाल तक और मध्य भारत के पहाड़ी क्षेत्रों तक
- नेता–चक्र बिसोई, राधा कृष्ण, दंड सेन

भील विद्रोह 1812–1846 ई.– खानदेश (महाराष्ट्र)

- 1812–1819
- 1825–1831
- 1831–1846
- नेता – सेवरम

किट्टूर विद्रोह 1824 ई. – किट्टूर (कर्नाटक)

पाइक विद्रोह – 1817 ई. उड़ीसा

- नेता–बख्शी जगबंधु

नेहरू युग में सांस्थानिक निर्माण

भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) – बेंगलूरू

- ✓ जमषेदजी टाटा के प्रयासों से 1909 ई. में स्थापित हुआ।
- ✓ भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन इसके पहले भारतीय निदेशक थे।
- ✓ वर्ष 1952 ई. में अमेरिका के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी (MIT) की तर्ज पर 5 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) की आधारषिला रखी गई।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर

- ✓ भारत का पहला आईआईटी
- ✓ 1951 ई. में कलकत्ता में मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा अनौपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया।
- ✓ मार्च, 1952 ई. में प्रधानमंत्री नेहरू ने खड़गपुर में इसके भवन का शिलान्यास किया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई।

- ✓ 1958 ई. से प्रारम्भ हुआ।
- ✓ यह विदेशी सहायता (सोवियत संघ) से स्थापित भारत का पहला संस्थान है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर।

- ✓ नवम्बर, 1959 ई. में स्थापना।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास।

- ✓ यह 1959 ई. में स्थापना (जर्मनी के सहयोग से)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।

- ✓ 1963 ई. में स्थापना।
- ✓ उक्त सभी प्रौद्योगिकी संस्थानों को संसद द्वारा भिन्न–भिन्न समयानुसार अधिनियम पारित करके राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया।

परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना अगस्त, 1948 ई. में की गई।

- ✓ प्रथम अध्यक्ष डॉ. होमी जहांगीर भाभा थे।

अप्सरा – अगस्त, 1956 ई. में स्थापित।

- ✓ भारत एवं एषिया का पहला परमाणु अनुसंधान रिएक्टर।

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इनकोस्पार)।

- ✓ 1962 ई.में स्थापना।
- ✓ प्रथम अध्यक्ष – डॉ. विक्रम साराभाई।
- ✓ 15 अगस्त, 1969 ई. में यह संस्थान इसरो के रूप में परिवर्तित कर दिया गया।

नेहरू युग (1947–1964 ई.) के दौरान संस्थानिक विकास

संस्था	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
1. हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड	1941 ई.	विशाखापट्टनम
2. केन्द्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान	अप्रेल, 1948 ई.	चेन्नई
3. केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान	अक्टूबर, 1950 ई.	मैसूर (कर्नाटक)
4. केन्द्रीय ग्लास एवं सेरेमिक अनुसंधान संस्थान	जनवरी, 1950 ई.	कोलकाता
5. नेशनल केमिकल लेबोरेट्री	1950 ई.	पुणे (महाराष्ट्र)
6. नेशनल मेटलर्जीकल लेबोरेर्ट्री	नवम्बर, 1950 ई.	जमशेदपुर (झारखंड)
7. नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री	जनवरी, 1950 ई.	नई दिल्ली
8. सेन्ट्रल ड्रग रिसर्च इन्स्टीट्यूट	फरवरी, 1951 ई.	लखनऊ
9. सेन्ट्रल इलेक्ट्रो केमिकल रिसर्च इन्स्टीट्यूट	जनवरी, 1953 ई.	कराईकुड़ी (तमिलनाडु)
10. हिन्दुस्तान मशीन टूल्स	फरवरी, 1953 ई.	बेंगलुरू
11. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	1954 ई.	बेंगलुरू
12. इन्ट्रीगल कोच फैक्ट्री	अक्टूबर, 1955 ई.	चेन्नई
13. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) डॉ. राधाकृष्णन आयोग की सिफारिष पर	नवम्बर, 1956 ई.	दिल्ली
14. ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ONGC)	अगस्त, 1956 ई.	नई दिल्ली
15. हैवी इलेक्ट्रीकल लिमिटेड	1956 ई.	नई दिल्ली
16. राष्ट्रीय कोयला विकास निगम	1956 ई.	दिल्ली
17. इण्डियन ऑयल लिमिटेड (सित. 1964 में इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेषन (IOC) में परिवर्तित)	1959 ई.	नई दिल्ली
18. हिन्दुस्तान टेलिप्रिन्टर लिमिटेड	1960 ई.	चेन्नई
19. भारत हैवी इलेक्ट्रीकल लिमिटेड	नवम्बर, 1964 ई.	नई दिल्ली

20. नेशनल फर्टिलाइजरस् लिमिटेड	1961 ई.	नांगल (हरियाणा)
21. राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड	1963 ई.	नई दिल्ली
22. यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया	1963 ई.	मुम्बई
23. हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड	1964 ई.	बेंगलूरू
24. भिलाई इस्पात कारखाना (सोवियत संघ के सहयोग)	1955 ई.	भिलाई (छत्तीसगढ़)
25. दुर्गापुर इस्पात कारखाना (ग्रेट ब्रिटेन के सहयोग)	1959 ई.	दुर्गापुर (पष्चिम बंगाल)
26. राउरकेला इस्पात कारखाना (जर्मनी के सहयोग से)	1959 ई.	राउरकेला (ओड़िषा)